पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

‘गोविंदा बदलते हैं तो मैं माफ कर दूंगी’

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 45 ■ अंक : 292 ■ शुक्रवार 20 फरवरी 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

ठाणे जिले में आवारा कुत्तों का आतंक

आवारा कुत्तों की समस्या बनी गंभीर

67,112 लोग बने कुत्तों का शिकार

ठाणे. आवारा कुत्तों की समस्या एक गंभीर समस्या बन गई है। ऐसे कुत्तों ने ठाणे जिले के लोगों में डर का माहौल फैला दिया है। जिले में आवारा कुत्तों के काटने वालों की संख्या बढ़ गई है। इसमें उल्हासनगर सबसे आगे है। इस शहर में कुत्तों के काटने वालों की संख्या सबसे ज़्यादा है। हालांकि कुत्तों के काटने वाले 67,113 लोगों ने डिस्ट्रिक्ट जनरल हॉस्पिटल में इलाज करवाया है, लेकिन अनुमान है कि ऐसे मरीज़ों की असली संख्या लाखों से ज़्यादा है।

रेबीज़ जैसी जानलेवा बीमारी कुत्तों के काटने से फैलती है। अगर रेबीज़ वाले कुत्ते दूसरों को काटते हैं, तो रेबीज़ उनके लार के ज़रिए काटे हुए व्यक्ति के शरीर में चला जाता है। अगर सही इलाज न किया जाए, तो मरीज़ की मौत होने की बहुत ज़्यादा संभावना होती है। कुत्तों के काटने से ऐसी जानलेवा बीमारी होने की संभावना तो है ही, लेकिन ठाणे जिले में 67,113 लोगों को कुत्तों ने काटा है, जिससे जिले के लोगों की सेहत को लेकर चिंता बढ़ गई है।

अस्पताल प्रशासन की दी गई जानकारी के मुताबिक, जनवरी 2025 से जनवरी 2026 के दौरान जिले के सरकारी अस्पतालों में 67,112 लोगों को रेबीज का टीका लगवाना पड़ा है। अस्पताल ने कहा है कि जिले के शहरी और घनी आबादी वाले इलाकों में कुत्तों के काटने के मामले ज़्यादा हैं। उल्हासनगर में सबसे ज़्यादा 12,594 लोगों को कुत्तों ने काटा है, लेकिन असल संख्या इससे ज़्यादा होने की संभावना है। कुत्तों के काटने के बाद हर कोई इलाज नहीं करवाता। कुछ लोग घटना को मामूली समझकर अस्पताल नहीं जाते, या कुछ लोग लोकल प्राइवेट डॉक्टरों के पास जाकर दवा ले लेते हैं।

रेबीज़ वैक्सीन का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध

आवारा कुत्तों का नसबंदी, वैक्सीनेशन और नागरिकों की जागरूकता, ये सभी हमारी रोकथाम के लिए समान रूप से ज़रूरी हैं। ज़िले के सभी सरकारी अस्पतालों में रेबीज़ वैक्सीन का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।

– **डॉ. कैलाश पवार**, ज़िला सर्जन, ठाणे

■ हेल्थ सिस्टम के सामने चुनौतियाँ

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, रेबीज एक जानलेवा बीमारी है जो एक बार हो जाने पर जानलेवा हो जाती है। इसलिए, अगर कोई कुत्ता या कोई संदिग्ध जानवर काट ले, तो घाव को तुरंत साबुन और साफ पानी से धोना और बिना देर किए वैक्सीन लगवाना ज़रूरी है। कुत्तों के काटने के बढ़ते मामलों ने ठाणे ज़िले में पब्लिक हेल्थ सिस्टम के लिए एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है।

■ समय पर इलाज ज़रूरी

हालांकि रेबीज़ जानलेवा है, लेकिन समय पर इलाज से इसे रोका जा सकता है। ऐसे में, छोटे बच्चों पर खास तौर पर ध्यान देना ज़रूरी है। डर के मारे बच्चे अपने माता-पिता को नहीं बताते कि उन्हें कुत्ते ने काटा है। हेल्थ सिस्टम रेबीज़ से निपटने में सक्षम है।

वालधुनी नदी में डाली जा रही है मिट्टी

■ सीवेज लाइन के काम से नदी का पाट हो रहा संकरा

■ पर्यावरणविद नाराज़

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर के बीच से बहने वाली वालधुनी नदी पर एक बार फिर मुसीबत के बादल मंडराने लगे हैं। पर्यावरणविदों का दावा है कि शहर में सीवेज चैनल बिछाने के नाम पर नदी के कुदरती रास्ते को संकरा किया जा रहा है।

आरोप है कि मनपा प्रशासन नदी के किनारे बिना इजाज़त के बने कंस्ट्रक्शन को शह दे रहा है. इसका नतीजा भविष्य में शहरवासियों को भयंकर बाढ़ के रूप में भुगतना पड़ सकता है।

उल्हासनगर मनपा की तरफ से शहर में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट तक पाइपलाइन बिछाने का काम अभी तेज़ी से चल रहा है। यह काम वालधुनी नदी के किनारे किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पाइपलाइन बिछाने के लिए नदी के तल में बड़ी मात्रा में मिट्टी भरी जा रही है। इससे नदी का कुदरती बहाव रुक रहा है और नदी संकरी होती जा रही है।

पर्यावरणविदों का कहना है कि मानसून के दौरान वालधुनी नदी का बहाव बहुत तेज़ और भारी होता है। ऐसे में, खराब क्वालिटी या खराब प्लान वाला काम पहली भारी बारिश में ही बह सकता है। इससे भी गंभीर बात यह है कि अगर नदी का तल संकरा हुआ, तो बारिश का पानी आस-पास के शहरी इलाकों में घुसने की संभावना बढ़ जाएगी, जिससे जान-माल का नुकसान हो सकता है।

हाई कोर्ट ने नदी के तल में किसी भी तरह के बिना इजाज़त कंस्ट्रक्शन या दखल पर सख्ती से रोक लगाई है। लेकिन, क्या मौजूदा काम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन नहीं है? यह सवाल उठ रहा है। इस बीच, महानगर पालिका ने जवाब दिया है कि जल्द ही साइट का इंस्पेक्शन टूर किया जाएगा और सही फैसला लिया जाएगा।

प्रशासन से जांच की मांग

सामाजिक संगठन अशोका फाउंडेशन के प्रेसिडेंट शिवाजी रगड़े, वालधुनी बिरादरी के फिरोज खान और पर्यावरणविद शशिकांत दयामा ने कमिश्नर मनीषा आव्हाले और महापौर अश्विनी निकम से मामले की पूरी जांच की मांग की है।

माता-पिता की विट्ठलवाड़ी पुलिस से इंसाफ की गुहार

■ गुंडों ने की दिव्यांग व माता पिता की पिटाई

■ पुलिस ने केवल एनसी दर्ज किया

उल्हासनगर. उल्हासनगर-4 के आशेले गांव इलाके में गणपति मंदिर के सामने एक गुंडों के गैंग ने एक दिव्यांग बच्चे और उसके माता-पिता को बुरी तरह पीटा। इस मामले में विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में सिर्फ एनसी क्राइम दर्ज किया गया है और परिवार ने न्याय की मांग की है। 13 फरवरी को शिकायत करने वाले चंद्रकांत कडने अपने परिवार के साथ दो टू-व्हीलर पर जा रहे थे, तभी एक रिक्शा ड्राइवर ने उनके टू-व्हीलर को दो बार टक्कर मारी और भाग गया। जब उन्होंने इस बारे में पूछा, तो आरोप है कि रिक्शा ड्राइवर समेत कुछ लोगों ने मिलकर दिव्यांग बच्चे और उसके माता-पिता को पीटा। इस मामले में विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई थी हालांकि, पीड़ित परिवार ने इस बात पर नाराजगी जताई है कि पुलिस ने सिर्फ नॉन-कम्युनिकेबल एनसी क्राइम दर्ज किया है। कडने परिवार ने न्याय की मांग की है क्योंकि रिक्शा ड्राइवर का बैच नंबर देने के बावजूद आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

शिवसेना के पदाधिकारी ने किया महिला से दुष्कर्म

भिवंडी. भिवंडी में शिवसेना (शिंदे) के एक पदाधिकारी द्वारा पड़घा निवासी विवाहित महिला के साथ जबरन दुराचार करने का मामला प्रकाश में आया है. पीड़ित महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पर बलात्कार का केस दर्जकर तलाश में जुट गई है. पड़घा पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत में 35 वर्षीय महिला ने बताया है कि वह अपने 4 बच्चों व पति के साथ रहती है. पति कपड़ा कारखाना में काम करता है, जबकि वह सोशल वर्कर है. उसकी पहचान पिछले पांच वर्षों से शिवसेना उपशहर प्रमुख राकेश मोरे से हुई थी. शिकायत में बताया है कि,मोरे ने 17 फरवरी को सुबह 11.30 बजे कॉल कर पीड़ित महिला को अशोकनगर में बुलाया और फिर उसे कार से लेकर पड़घा क्षेत्र में स्थित एक लॉज में लेकर गया. बात करते करते जबरन अकेला पाकर उसे अपनी हवस का शिकार बनाया. महिला की शिकायत पर पड़घा पुलिस ने राकेश मोरे पर केस दर्ज कर उसकी तलाश में जुट गई है.

चेंबर सफाई के लिए पीने के पानी का इस्तेमाल

■ चौंकाने वाली घटना सामने आई

■ लोगों में प्रशासन के प्रति गुस्सा

उल्हासनगर. उल्हासनगर में पानी की कमी से जूझ रहे लोगों के जख्मों पर नमक छिड़कने वाली एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। पता चला है कि जिस टैंकर पॉइंट से लोगों के घरों तक पीने का पानी पहुंचाया जाता है, उसी टैंकर पॉइंट से वही पानी सीवेज-सफाई करने वाली गाड़ियों में भरकर चैंबर की सफाई के लिए इस्तेमाल किया जाता है. इस घटना से शहर में गुस्सा है और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग जोर पकड़ रही है।

उल्हासनगर प्रभाग समिति नंबर 4 में दशहरा मैदान के पास टैंकर पॉइंट से उन इलाकों में टैंकरों से पीने का पानी सप्लाई किया जाता है, जहां रेगुलर पानी की सप्लाई नहीं होती। हालांकि, बुधवार दोपहर करीब 1 बजे देखा गया कि सीवेज-सफाई करने वाली गाड़ियों में पीने का पानी भरा जा रहा था, ऐसा समाजसेवी एड. प्रशांत चंदनशिव ने कहा। उन्होंने कहा कि शहर पहले से ही पानी की कमी से जूझ रहा है और सुभाष टेकड़ी इलाके में पानी का प्रेशर कम होने से लोग परेशान हैं। ऐसे में नागरिकों के हक के पीने के पानी का इस्तेमाल सफाई के काम के लिए करना गंभीर मामला है। इस मामले में शक जताया गया है कि यह काम उल्हासनगर-5 सबडिवीजन के इंजीनियरों की सहमति से हो रहा है और संबंधित इंजीनियर के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की मांग की गई है। इस बारे में वॉटर सप्लाई सबडिवीजन ऑफिस जाकर इंजीनियर मिरकुटे को लिखित शिकायत दी गई है, और कमिश्नर और एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, वॉटर सप्लाई डिपार्टमेंट को ईमेल से भी शिकायत भेजी गई है।

‘हिंद-दी-चादर’ के मौके पर वृहद आयोजन

उल्हासनगर मनपा की तरफ से स्पेशल बस सर्विस

■ कोऑर्डिनेशन के लिए मीटिंग

उल्हासनगर. ‘हिंद-दी-चादर’ के नाम से मशहूर गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहादत की सालगिरह के मौके पर 28 फरवरी से 1 मार्च तक नवी मुंबई के खारघर में एक बड़ा और कई तरह का प्रोग्राम होगा। इसी को देखते हुए, उल्हासनगर मनपा प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं और पब्लिक अवेयरनेस और कोऑर्डिनेशन के लिए एक रिव्यू मीटिंग की है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के प्रिंसिपल सेक्रेटरी की अध्यक्षता में हुई हाई-लेवल मीटिंग के निर्देशों के अनुसार, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के एडिशनल कमिश्नर डॉ. किशोर गवस ने 16 फरवरी को सभी संबंधित डिपार्टमेंट हेड्स की एक स्पेशल मीटिंग बुलाई। मीटिंग में एजुकेशन, ट्रांसपोर्ट, स्पोर्ट्स, पब्लिक रिलेशन्स, मेडिकल हेल्थ, पब्लिक हेल्थ, स्टोर्स और प्रॉपर्टी टैक्स डिपार्टमेंट के अधिकारी मौजूद थे।

शहर लेवल पर प्रोग्राम का बड़े पैमाने पर प्रचार-प्रसार करने के साफ निर्देश दिए गए। उल्हासनगर में सिख समुदाय की बड़ी मौजूदगी को ध्यान में रखते हुए, खारघर में होने वाले मुख्य प्रोग्राम के लिए ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट को स्पेशल ट्रांसपोर्ट बस सर्विस का इंतज़ाम करने के आदेश दिए गए हैं। भक्तों के लिए सुविधाजनक यात्रा पक्का करने के लिए एक प्लान्ड ट्रांसपोर्ट प्लान तैयार किया जा रहा है। एडमिनिस्ट्रेटिव लेवल पर सही तालमेल बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

इस मीटिंग में डिप्टी कमिश्नर स्नेहा कर्पे, असिस्टेंट कमिश्नर अजय साबले, गणेश शिम्पी, नीलम कदम, विनोद केनी और कई डिपार्टमेंट हेड मौजूद थे।

यह साफ़ किया गया कि उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन यह पक्का करने की पूरी कोशिश कर रहा है कि सिख इतिहास का यह प्रेरणा देने वाला दौर ज़्यादा से ज़्यादा लोगों की भागीदारी से सफल हो।

गायकवाड़ पाड़ा के एक गोदाम में भीषण आग

उल्हासनगर. उल्हासनगर में एक बार फिर आग लगने की घटना ने लोगों में डर फैला दिया है। मंगलवार शाम कैंप नंबर 5 के गायकवाड़ पाड़ा इलाके में एक कपड़े के गोदाम में भीषण आग लग गई। कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। हालांकि, जान का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन बड़ी मात्रा में प्रॉपर्टी का नुकसान हुआ।

मिली जानकारी के मुताबिक गायकवाड़ पाड़ा में कपड़े रखने वाले गोदाम से अचानक धुआं निकलने लगा। चूंकि यहां बड़ी मात्रा में कपड़े रखे हुए थे, इसलिए देखते ही देखते आग लग गई। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए उल्हासनगर फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंच गईं। फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने पूरी कोशिश करते हुए फैक्ट्री के दरवाजे तोड़ दिए और अंदर घुसकर आग पर काबू पा लिया। इस बीच, घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। आग लगने का सही कारण अभी साफ नहीं है। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, आग शॉर्ट सर्किट या दूसरे टेक्निकल कारणों से लगी होगी।

छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती पर अनेक कार्यक्रम

■ रात में अभंग पोस्ट कार्यक्रम देखने के लिए हजारों की भीड़ हुई जमा

अंबरनाथ. अंबरनाथ में छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती उत्साह के साथ मनाई गई. सुबह में अंबरनाथ नपा में मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ एवं नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले ने छत्रपति शिवाजी महाराज की तस्वीर पर पुष्प अर्पण किया. शिवसेना की ओर से महाराज की विधिवत पूजा अर्चना की गी. अंबरनाथ शहर शिवसेना एवं सार्वजनिक शिवजयंती उत्सव की ओर से शहर पूर्व में शिवाजी चौक पर महाराज की प्रतिमा को पूर्व नगराध्यक्ष एवं शिवसेना शहर प्रमुख अरविंद वालेकर, मनिषा वालेकर, राजेश वालेकर, नगरसेवकों आदि ने शिवाजी महाराज की प्रतिमा को पुष्प अर्पण किया. छत्रपति शिवाजी महाराज की जय से पूरा शहर गूंज रहा था. शिवाजी चौक को लाइटिंग एवं पुष्प लगाकर सजाया गया है. राकांपा (अ.प.) के शहराध्यक्ष एवं नगरसेवक सदाशिव पाटिल, जिलाध्यक्ष किसनराव तारमले, पूनम शेलार, सचिन पाटिल ने भी पुष्प अर्पण करके महाराज को अभिवादन किया. बाद में लोगों ने मिठाई वितरित की गी.

रात में अंबरनाथ शिवसेना की ओर से अभंग पोस्ट कान्सर्ट आधुनिक संगीत पर आधारित कार्यक्रम पेश किया गया, जिसे देखने और सुनने के लिए हजारों की भीड़ एकत्रित हो गई थी. शिवजयंती उत्सव पर शहर में छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रेमियों में एक अलग ही जोश देखने को मिला. पुलिस का कड़ा प्रबंध रखा गया था.

मनपा शिक्षण बोर्ड के कर्मचारियों के समायोजन का 13 वर्षों से इंतजार

उल्हासनगर. 2013 में महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के सभी महानगर पालिकाओं के शिक्षा बोर्डों को भंग करने और उनके अधिकारियों, शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को संबंधित मनपा प्रतिष्ठानों में समायोजित करने का आदेश दिया था। हालांकि, उल्हासनगर मनपा प्रशासन की लापरवाही के कारण 13 साल का लंबा समय बीत जाने के बाद भी कर्मचारियों का समायोजन अभी तक नहीं हो पाया है।

शिवसेना नगरसेवक राजेंद्रसिंह भुल्लर ने अब इस मामले में आक्रामक रुख अपनाते हुए आयुक्त और महापौर से संपर्क किया है। राजेंद्र सिंह भुल्लर द्वारा दिए गए एक पत्र में यह उल्लेख किया गया है कि राज्य के अन्य सभी नगर निगमों में शिक्षा बोर्ड के कर्मचारियों के समायोजन की प्रक्रिया 2014 में ही पूरी हो गई थी, लेकिन उल्हासनगर नगर निगम प्रशासन ने जानबूझकर इसकी अनदेखी की है। गौरतलब है कि 2023 में तत्कालीन आयुक्त शेख ने इन कर्मचारियों के समायोजन के संबंध में एक स्पष्ट कार्यालय आदेश जारी किया था। भुल्लर ने कहा कि सरकार के निर्णय और आयुक्त के आदेश के बावजूद, सामान्य प्रशासन विभाग ने इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है, जो प्रशासनिक लापरवाही की पराकाष्ठा है।

समायोजन में देरी के कारण, इन कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका में 2013 से आवश्यक जानकारी को अपडेट नहीं किया गया है। कोई रिकॉर्ड नहीं बनाया गया है। परिणामस्वरूप, कर्मचारियों को सरकार द्वारा स्वीकृत वेतनमान, पदोन्नति, पेंशन और अन्य सरकारी लाभों से वंचित किया जा रहा है। कई कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद भी उनके उचित लाभ नहीं मिल रहे हैं। इस स्थिति को देखते हुए, राजेंद्रसिंह भुल्लर ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि शिक्षा बोर्ड के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को नगर निगम प्रतिष्ठान में तुरंत समायोजित किया जाए और उनकी सेवा पुस्तिकाएं 2013 से पूरी की जाएं। उन्होंने उन दोषी अधिकारियों के खिलाफ तत्काल प्रशासनिक कार्रवाई की भी मांग की है जिन्होंने इस प्रक्रिया में वर्षों तक देरी की है और सरकारी आदेशों का उल्लंघन किया है।

कल्याण खाड़ी किनारे 9 लाख के रेत माइनिंग उपकरण नष्ट किए

■ 48 ब्रास रेत स्टॉक जब्त

■ पोकलेन से माइनिंग इंजन नष्ट किया गया

कल्याण. कल्याण दुर्गाडी फोर्ट रेतीबंदर एरिया, डोंबिवली के मोठागांव, मानकोली फ्लाईओवर रेतीबंदर एरिया में कल्याण रेवेन्यू डिपार्टमेंट की एक टीम ने रेत माफिया के खिलाफ अचानक कार्रवाई की और पोकलेन की मदद से रेत माफिया के नौ लाख से ज़्यादा के रेत माइनिंग के उपकरण नष्ट कर दिए। इस बार, 48 ब्रास रेत स्टॉक जब्त किए गए और उन्हें वापस खाड़ी में फेंक दिया गया। इस रेत का खनन कर रहे रेत तस्करों के खिलाफ बाजारपेठ पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

जिला कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने स्थानीय रेवेन्यू अधिकारियों को जिले की सभी खाड़ियों और नदी तलों में हो रही रेत माइनिंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया है। इस ऑर्डर के मुताबिक, एडिशनल डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर हरिश्चंद्र पाटिल और कल्याण सब-डिविजनल ऑफिसर विश्वास गूजर की गाइडेंस में, कल्याण तहसीलदार विकास गरुड़कर ने रेवेन्यू डिपार्टमेंट की टीम के साथ मंगलवार सुबह कल्याण के दुर्गाडी फोर्ट इलाके के रेतीबंदर एरिया में अचानक एक्शन लिया। उसके बाद, डोंबिवली वेस्ट के मोठागांव मानकोली फ्लाईओवर एरिया में रेती माफिया के खिलाफ एक्शन लिया गया।

रेवेन्यू ऑफिसर की एक्शन टीम और पुलिस के आने की खबर मिलते ही कल्याण और डोंबिवली में रेत माफिया रेत निकालने वाले बार्ज और सक्शन पंप से खाड़ी में कूदकर भाग गए। रेवेन्यू टीम दूसरी नावों की मदद से खाड़ी में गई और मटीरियल को रस्सियों से बांधकर खाड़ी के किनारे तक खींच लाई। उसके बाद, टूटे हुए हिस्सों को दोबारा इस्तेमाल होने से रोकने के लिए खाड़ी में धकेल दिया गया।

रेत तस्करों के रेत निकालने के सामान को तबाह करने के बाद, माफिया ने निकाले गए रेत स्टॉक को खाड़ी किनारे रखने के लिए कुल 18 टैंक और हौद तैयार किए थे। इन टैंकों को पोकलेन की मदद से तबाह किया गया। रेवेन्यू टीम ने इन टैंकों से लाखों रुपये के 48 ब्रास रेत स्टॉक जब्त किए। इन स्टॉक को वापस खाड़ी में धकेल दिया गया। इस कार्रवाई से रेवेन्यू डिपार्टमेंट ने रेत माफिया की कमर तोड़ दी। पिछले कुछ महीनों में कल्याण, डोंबिवली खाड़ी तट इलाके में यह सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। पिछले साल कल्याण रेवेन्यू डिपार्टमेंट ने उनके लाखों रुपये के सामान को तबाह करके उनकी आर्थिक कमर तोड़ दी थी।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. - वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

भाई-भतीजावाद पर सुप्रीम कोर्ट की नजर

राजनीति से लेकर सरकारी तंत्र तक, हर जगह भाई-भतीजावाद की प्रवृत्ति अक्सर देखने को मिलती है। इससे न केवल योग्य प्रतिभाएं हाशिए पर चली जाती हैं, बल्कि पात्र नागरिकों के अधिकारों का हनन भी होता है। साथ ही इससे सामाजिक और संस्थागत विकास का न्यायिक पक्ष भी कमजोर होता है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था को नुकसान पहुंचाता है।

हरियाणा सरकार की एक आवासीय समिति में इसी का तरह मामला सामने आया है, जहां मानदंडों को दरकिनार कर पात्र व्यक्तियों की बजाय शासी निकाय के एक सदस्य और उनके अधीनस्थ को आवास आबंटित कर दिए गए। सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को इस मामले में आवास का आबंटन रद्द करते हुए, कहा कि यह निर्णय पक्षपातपूर्ण और आवासीय समिति के खुद के पात्रता मानदंडों का उल्लंघन करता है। साथ ही कहा कि इस तरह का भाई-भतीजावाद और खुदगर्जी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अभिशाप की तरह है। गौरतलब है कि सरकारी आवासीय समितियों में भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार के मामले पहले भी सामने आते रहे हैं। कई मामले तो ऐसे होते हैं, जो उजागर ही नहीं हो पाते, क्योंकि दूसरा पक्ष कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए आर्थिक रूप से सक्षम नहीं होता है। ऐसे में इन समितियों में अपने करीबियों को नियमों के विपरीत लाभ पहुंचाने का खेल चलता रहता है। यही वजह है कि सर्वोच्च न्यायालय को भी यह कहना पड़ा कि भाई-भतीजावाद और स्वार्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रतिकूल है, विशेषकर तब जब यह ऐसे समाज के भीतर हो, जिसमें सरकारी सेवा के सदस्य शामिल हों और जो पारदर्शी आबंटन प्रक्रिया के माध्यम से आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने का दावा करता हो। निस्संदेह आवासीय समितियों में भ्रष्टाचार और पक्षपात गंभीर समस्या है। इन समितियों के लेखा परीक्षण में लापरवाही, चुनाव कराने में देरी और दस्तावेजों में हेराफेरी किसी से छिपी नहीं है। अफसोसनाक है कि आवासीय समितियों से संबंधित सरकारी अधिकारी भी कई बार इस तरह की हेराफेरी को नजरअंदाज कर देते हैं। शीर्ष अदालत का यह फैसला और टिप्पणी उन सभी आवासीय समितियों के लिए चेतावनी है, जहां आवास आबंटन प्रक्रिया में नियमों का पालन नहीं किया जाता है।

विचार : सरकारों के काम करता सुप्रीम कोर्ट

कार्ल मार्क्स ने कहा था, ईश्वर का शुक्र है कि मैं मार्क्सवादी नहीं हूं। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के चेयरमैन माओत्से तुंग ने 1967 में उनसे मिलने गए नक्सली नेता कानू सान्याल और तीन अन्य से कहा था, 'यहां आपने जो भी सीखा, उसे भूल जाएं और अपने देश की स्थिति के अनुसार काम करें।' दुर्भाग्य से विभिन्न धाराओं में बंटे हमारे कम्युनिस्ट दलों और उनके नेताओं ने मार्क्स और माओत्से तुंग की बातों पर अमल नहीं किया। नतीजतन गत सौ वर्षों में उन्होंने पाया कम और खोया अधिक। अब वे मुख्यतः केरल में प्रभावी रह गए हैं। अभी हाल में कुछ मजदूर संगठनों के साथ अधिकतर वामपंथी संगठनों ने केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में जब भारत बंद बुलाया तो उसका असर केवल केरल में ही दिखा।

कुछ समय पहले जब भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की स्थापना के सौ वर्ष पूरे हुए तो देश में कोई हलचल नहीं हुई। यदि भाकपा ने देश के सामाजिक तानेबाने और जमीनी हकीकत को ध्यान में रखते हुए अपनी कार्यनीति बनाई होती तो आज वे इतने दुबले नहीं होते। भाकपा का विभाजन 1964 में हुआ और उससे टूटकर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) बनी। विभाजन का आधार कोई भारतीय समस्या नहीं, बल्कि चीन के प्रति भारतीय कम्युनिस्टों के एक बड़े हिस्से का रुख था। 1967 में कम्युनिस्टों से निकले नक्सलियों ने नारा दिया- चीन का चेयरमैन हमारा चेयरमैन और सत्ता बंदूक की नली से निकलती है। ऐसे नारे लगाने वाले

अतिवादी कम्युनिस्टों की हिंसक जमात भी कई टुकड़ों में बंटी। दशकों तक नेपाल से लेकर आंध्र तक हथियारों के बल पर लाल गलियारा बनाने की कोशिश में हजारों जानें गईं।

बीते कुछ समय से गृह मंत्री अमित शाह लगातार कह रहे हैं कि हम 31 मार्च, 2026 तक वामपंथी उग्रवाद यानी माओवाद खत्म कर देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जिस गति से उनका दायरा सिमट रहा है, उससे साफ है कि केंद्र सरकार अपने निर्धारित लक्ष्य को पाने में सफल हो सकती है। एक अनुमान के अनुसार माओवादी हिंसा के चलते देश में करीब 12 हजार लोगों की जान जा चुकी है। इनमें नागरिक, सुरक्षाकर्मी और माओवादी हिंसक तत्व शामिल हैं। अन्य स्रोत यह आंकड़ा कुछ अधिक ही बताते हैं।

माओ ने जब भारतीय कम्युनिस्टों से कहा था कि अपने देश की स्थिति के अनुसार काम करो तो अतिवादी कम्युनिस्टों को इसका आकलन करना चाहिए था कि भारत जैसे देश में सैन्यवाद की सफलता की कितनी गुंजाइश है? भारत में एक मजबूत संसदीय शासन व्यवस्था है और सेना एवं अर्धसैनिक बलों को पराजित करना संभव नहीं। भारत की स्थिति न तो 1917 के रूस जैसी है और न ही 1949 के चीन जैसी। 1917 में लेनिन और उनके दल ने हथियारों के बल पर रूस में कम्युनिस्ट शासन की स्थापना की थी। इसी तरीके से माओत्से तुंग ने 1949 में चीन में कम्युनिस्ट शासन कायम किया। हथियार उठाने की जगह भारत के अतिवादी कम्युनिस्ट लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव लड़कर सफलता पा सकते थे, क्योंकि कभी उन्होंने बड़ी संख्या में युवकों को आकर्षित किया था, पर चुनाव लड़ने वाली भाकपा और माकपा भी अपनी गलत रणनीतियों और भारतीय समाज के बारे में अपनी नासमझी के कारण अंततः दुबली होती चली गईं। बंगाल और त्रिपुरा से वाम मोर्चा का सफाया हो चुका है। अगले विधानसभा चुनाव में वाम मोर्चे को केरल में भी कड़ी चुनौती मिल सकती है। बंगाल में वाम मोर्चा सरकार ने शुरुआती दिनों में भूमि सुधार के क्षेत्र में अच्छे काम किए, पर उसके बाद उसने जो कुछ किया, वह सब उत्पादक साबित नहीं हुआ।

जनसमर्थन बरकरार रखने के लिए उसने बड़े पैमाने पर स्थानीय बाहुबलियों को संरक्षण देने के साथ बांग्लादेशी घुसपैठियों को बढ़ावा दिया और उन्हें नाजायज तरीके से मतदाता बनाया। जब बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों के कारण बंगाल के सात जिलों में सामान्य प्रशासन चलाना कठिन हो गया तो मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य ने गंभीर चिंता प्रकट की। नतीजतन अल्पसंख्यक मतदाताओं ने थोकभाव में तृणमूल कांग्रेस को अपना लिया। मौजूदा बंगाल विधानसभा में माकपा का प्रतिनिधित्व शून्य है।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

प्रभु में पुनर्मिलन के लिए, हमारी आत्मा को उन सभी चीजों से मुक्त होना होगा जो प्रेम नहीं हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

फ्रांस से 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी'

बदलते दौर में भू-राजनीतिक उथल-पुथल और अनिश्चितताओं के बीच भारत आर्थिक एवं रणनीतिक स्तर पर सहयोग बढ़ाने के लिए विभिन्न देशों के साथ साझेदारी को और व्यापक बनाने की राह पर आगे बढ़ रहा है। ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ व्यापार समझौतों के बाद भारत ने अब फ्रांस के साथ द्विपक्षीय संबंधों को 'विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' में बदल दिया है। इसके तहत दोनों देशों ने रक्षा, व्यापार और निवेश समेत कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया है। नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच मंगलवार को मुंबई में हुई वार्ता के दौरान बनी सहमति के बाद इक्कीस समझौतों को स्वीकृति दी गई। इस साझेदारी को वैश्विक स्थिरता और रणनीतिक दृष्टिकोण से कई मायनों में महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे न केवल द्विपक्षीय व्यापार और आधुनिक प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान में संभावनाओं के नए द्वार खुलेंगे, बल्कि रक्षा के मोर्चे पर भी भारत की स्थिति मजबूत होगी। पिछले दिनों भारत ने ब्रिटेन और ओमान के साथ व्यापार समझौते किए थे। उसके बाद न्यूजीलैंड और फिर यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया गया। हाल में भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते का एलान किया गया,

जिसके परिणामस्वरूप अमेरिका ने भारत पर लगाए गए पचास फीसद शुल्क को घटाकर अठारह फीसद कर दिया। इसमें दोराय नहीं कि अमेरिका की ओर से भारत पर भारी-भरकम शुल्क लगाए जाने के बाद देश का निर्यात कारोबार प्रभावित हुआ। इस संकट से निपटने के लिए भारत ने अपने उत्पादों के वास्ते दुनिया के विभिन्न देशों में वैकल्पिक बाजार तलाशने की हरसंभव कोशिश की तथा व्यापार समझौतों की शक्ल में उसके सफल नतीजे भी सामने आए। अब फ्रांस के साथ विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी से भारत के व्यापार, प्रौद्योगिकी और रक्षा क्षेत्र में सशक्तीकरण की संभावनाओं को और बल मिलेगा। भारत और फ्रांस ने परस्पर निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष समझौता किया है, जिससे दोनों देशों के नागरिकों और कंपनियों को अब दोहरा कर नहीं देना पड़ेगा। इससे द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और आवागमन को नई गति मिलेगी।

गौरतलब है कि फ्रांस की मदद से कर्नाटक के वेमागल में एयरबस एच-125 हेलिकाप्टरों के निर्माण के लिए कलपुर्जों को जोड़ने का कारखाना भी स्थापित किया गया है, जहां अब काम शुरू हो गया है। यहां दुनिया के ऐसे शक्तिशाली हेलिकाप्टर का निर्माण किया जाएगा, जो विश्व की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई तक उड़ान भरने में सक्षम होगा।

द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए भारत और फ्रांस के बीच 'हैमर' मिसाइलों के उत्पादन को लेकर भी अहम समझौता हुआ है। इसके तहत भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड और फ्रांसीसी रक्षा कंपनी सैफरान संयुक्त उद्यम स्थापित करेगी। यह सच है कि फ्रांस, भारत के सबसे पुराने रणनीतिक साझेदारों में से एक है और अब दोनों देशों के बीच सहयोग का नया अध्याय शुरू हो रहा है। विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की पहल फ्रांस की विशेषज्ञता और भारत की विशाल क्षमता को एक साथ लाने का प्रयास है और इससे निश्चित तौर पर भारत की विनिर्माण एवं निर्यात क्षमताओं में इजाफा होगा।

भारत दौरे पर आए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुंबई में मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं की साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस भी हुई। फ्रांसिसी राष्ट्र प्रमुख इमैनुअल मैक्रों से बातचीत और साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम मोदी ने कहा है कि अब ऐसे हेलीकॉप्टर बनाए जाएंगे, जो कि माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई पर भी उड़ सकेगा।

दुनिया का सबसे नमकीन तालाब

आप ये तो जानते होंगे कि समुद्र में नमक होता है. नमक मिलने की वजह से उनका घनत्व, नदी या तालाब की तुलना में ज्यादा होता है. पर

जरा हट के

क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसा भी तालाब है जिसके पानी का घनत्व इतना ज्यादा है कि -58 डिग्री तक तापमान पहुंचने के बाद भी पानी नहीं जमता. यही नहीं, इसका घनत्व डेड सी से ज्यादा है. ये अनोखा तालाब अंटार्कटिका में मौजूद है. आइए, आपको इसके बारे में ज्यादा जानकारी देते हैं.

अंटार्कटिका के मैकमुर्डोज़ ड्राय वैली (McMurdos Dry Valley) में मौजूद एक तालाब, डॉन जुआन (Don Juan Pond) दुनिया का सबसे नमकीन पानी का स्त्रोत है. इसका पानी डेड सी से भी ज्यादा नमकीन है. यही कारण है कि जब तापमान -58 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचता है, तब भी ये तालाब नहीं जमता. ये तालाब करीब 4 इंच गहरा है. ये

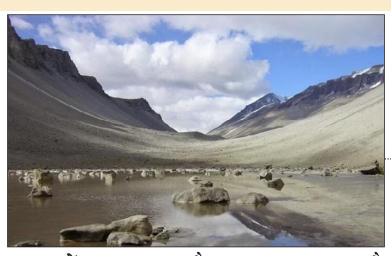

असल में तालाब कम और बड़ा गड्ढा ज्यादा लगता है. पर इस तालाब ने वैज्ञानिकों को सालों से हैरान किया है. कारण है इसकी अनोखी संरचना. साल 1961 में वैज्ञानिकों ने इस तालाब की खोज की थी.

बेहद ठंडे तापमान में भी नहीं जमता पानी

तब वो ये देखकर हैरान हुए थे कि जिस जगह पर मौसम का तापमान -58 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, उस जगह पर पानी का ये छोटा सा स्त्रोत नहीं जम रहा था. उसी वक्त उस तालाब की जांच की गई और पाया गया कि उस तालाब के पानी में 40 फीसदी नमक मिला है. तुलना के लिए बता दें कि डेड सी में नमक की मौजूदगी 34 पर्सेंट है. वहीं दुनिया के तमाम महासागरों का पानी 3.5 पर्सेंट तक नमकीन है और ग्रेट सॉल्ट लेक में 5 से 26 फीसदी तक नमक है. हैरानी की बात ये है कि ये तालाब धरती की सबसे सूखी जगहों में से एक, मैकमुर्डोज़ ड्राय वैली में है. यहां पर शायद ही कभी बारिश होती होगी. ये बिल्कुल सूखी जगह है, जहां पर 321 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलती हैं. हैरानी ये भी है कि अंटार्कटिका में होने के बावजूद यहां पर बर्फ नहीं पड़ती.

शेजवान राईस

खाना-खजाना

सामग्री

- चावल- 2 कप पके हुए ठंडे चावल
- सब्जियां- बारीक कटी गाजर, बीन्स, शिमला मिर्च और पत्तागोभी (1.5 कप)
- अदरक-लहसुन- 1 बड़ा चम्मच बारीक कटा हुआ लहसुन और आधा चम्मच बारीक कटा अदरक
- सॉस- 2-3 बड़े चम्मच शेजवान सॉस, 1 चम्मच सोया सॉस, और 1 चम्मच सिरका
- 2-3 बारीक कटी हरी मिर्च
- स्प्रिंग अनियन (हरा प्याज)
- नमक स्वादानुसार
- आधा चम्मच काली मिर्च पाउडर
- 2 बड़े चम्मच तेल

बनाने की विधि

जब आप एक दिन पहले के बचे हुए या कुछ घंटे पुराने ठंडे चावलों का इस्तेमाल करें. इससे टॉस करते समय चावल टूटते नहीं हैं। अब एक बड़ी कड़ाही या में तेल गरम करें। चाइनीज कुकिंग हमेशा तेज आंच पर की जाती है। इसलिए तेल गरम होते ही इसमें कटा हुआ लहसुन, अदरक और हरी मिर्च

डालें। इन्हें कुछ सेकंड भूनें, ताकि इनकी कच्ची महक निकल जाए, लेकिन ध्यान रहे कि लहसुन जले नहीं। अब इसमें सारी कटी हुई सब्जियां डालें। तेज आंच पर सब्जियों को 2-3 मिनट तक भूनें। हमें सब्जियों को पूरी तरह गलाना नहीं है, बल्कि उनका क्रंच बरकरार रखना है। इसके बाद सब्जियां भुन जाने पर इसमें शेजवान सॉस, सोया सॉस और काली मिर्च पाउडर डालें। अगर आप ज्यादा तीखा पसंद करते हैं, तो थोड़ा और शेजवान सॉस डाल सकते हैं। सॉस को सब्जियों के साथ अच्छी तरह मिलाएं। अब कड़ाही में पके हुए चावल डालें। ऊपर से थोड़ा सा नमक डालें। ध्यान रहे कि सॉस में भी नमक होता है। अब हल्के हाथों से चावलों को सब्जियों और सॉस के साथ मिलाएं। इसे 2-3 मिनट तक तेज आंच पर अच्छी तरह टॉस करें, ताकि हर दाने पर सॉस की कोटिंग हो जाए। अब विनेगर डालें और बारीक कटे हरे प्याज से सजाएं। आपका गर्मागर्म और चटपटा शेजवान राईस तैयार है।

कब्ज से राहत के लिए खीरा

गर्मियों की आहट मिलते ही बाजारों में खीरे की रौनक बढ़ जाती है। खीरा न केवल शरीर को हाइड्रेटेड रखता है, बल्कि यह आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान दोनों की दृष्टि में सेहत का खजाना है. अगर आप पुरानी कब्ज से परेशान हैं या चेहरे पर प्राकृतिक चमक चाहते हैं, तो खीरे का सही तरीके से सेवन किसी वरदान से कम नहीं है. आइए जानते हैं खीरे के सेवन का वह खास तरीका जो आपकी सेहत और सुंदरता दोनों को निखार देगा...

कब्ज से राहत के लिए

छिलके सहित सेवन: लोग अक्सर खुली हुई आंतें खाते हैं, लेकिन यह कब्ज़ के साइड इफ़ेक्ट का एक बड़ा कारण है. खुली हुई आंतें इनसॉल्युबल फ़ाइबर से भरपूर होती हैं. यह फ़ाइबर आंतों को साफ़ करने और मल को नरम करने में मदद

करता है.

सेवन का तरीका: खीरे को अच्छी तरह धोकर, बिना छीले गोल टुकड़ों में काटें. इस पर काला नमक और थोड़ी सी भुनी हुई अजवाइन डालकर दोपहर के भोजन से आधा घंटा पहले खाएं. अजवाइन और काला नमक खीरे की ठंडी तासीर को संतुलित करते हैं और पाचन अग्नि को तेज करते हैं.

हाइड्रेशन और त्वचा के लिए

'कुकुम्बर डिटॉक्स वॉटर': खीरे में लगभग 95% पानी होता है. जब हम इसे पानी में इन्फ्यूज करके पीते हैं, तो यह शरीर के टॉक्सिन्स (विषाक्त पदार्थों) को बाहर निकाल देता है, जिससे मुंहासे कम होते हैं और त्वचा भीतर से चमकने लगती है.

आंखों की सूजन और डार्क सर्कल्स के लिए

केवल खाने में ही नहीं, खीरे का बाहरी इस्तेमाल भी जादुई है खीरे के दो ठंडे स्लाइस अपनी आंखों पर 10 मिनट के लिए रखें. इसमें मौजूद एस्कॉर्बिक एसिड और कैफीक एसिड आंखों की सूजन को तुरंत कम करते हैं.

रात में खाने से बचें: आयुर्वेद के अनुसार, रात में खीरा खाने से कफ दोष बढ़ सकता है और पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं. इसे हमेशा दिन के समय खाएं। खीरा खाने के तुरंत बाद पानी पीने से बचें, क्योंकि इससे शरीर का pH लेवल बिगड़ सकता है और दस्त हो सकते हैं.

पिगमेंटेशन के लिए रामबाण है चुकंदर

प्राकृतिक सुंदरता पाने की चाहत रखने वालों के लिए चुकंदर किसी वरदान से कम नहीं है. पोषक तत्वों से भरपूर चुकंदर में एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन C, आयरन और फोलेट प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो त्वचा को अंदर से पोषण देते हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि नियमित रूप से चुकंदर का सेवन या उसका बाहरी उपयोग त्वचा की रंगत निखारने में मददगार साबित हो सकता है. यह त्वचा की गहराई तक जाकर डैमेज सेल्स की मरम्मत करने में सहायक होता है और चेहरे पर प्राकृतिक गुलाबी चमक लाने में मदद करता है.

दाग-धब्बों से दिलाए छुटकारा

दाग-धब्बों और टैनिंग की समस्या आजकल आम हो चुकी है. ब्यूटीशियन रेखा कुमारी बताती हैं कि धूप, प्रदूषण और अनियमित दिनचर्या के कारण चेहरे पर टैनिंग और पिग्मेंटेशन बढ़ जाता है. ऐसे में चुकंदर का

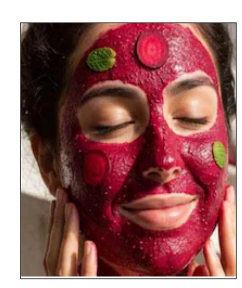

रस एक आसान घरेलू उपाय हो सकता है. इसे दही, बेसन और कुछ बूंद नींबू के रस के साथ मिलाकर फेस पैक तैयार किया जा सकता है.

सप्ताह में दो बार इस पैक का उपयोग करने से त्वचा साफ और मुलायम महसूस होती है. यह मिश्रण त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करता है और चेहरे पर ताजगी लाता है. नियमित उपयोग से रंगत में सुधार देखा जा सकता है.

होठों के लिए भी नेचुरल बाम

होंठों की देखभाल के लिए भी चुकंदर उपयोगी माना जाता है. फटे और काले होंठ अक्सर खूबसूरती को प्रभावित करते हैं. ऐसे में ताजे चुकंदर का छोटा टुकड़ा लेकर हल्के हाथों से होंठों पर रगड़ने से उनमें हल्का गुलाबी रंग आ सकता है. इसमें मौजूद प्राकृतिक पिगमेंट होंठों को टिंट जैसा प्रभाव देता है और उन्हें मुलायम बनाए रखने में मदद करता है. नियमित उपयोग से ड्राइनेस कम हो सकती है.

पैच टेस्ट जरूर कर लें

त्वचा की असली खूबसूरती उसकी नमी और स्वस्थ चमक में होती है. चुकंदर शरीर को हाइड्रेट रखने में सहायक होता है, जिससे चेहरा ज्यादा फ्रेश नजर आता है. इसका जूस पीने से शरीर में आयरन की पूर्ति होती है, जो त्वचा की रंगत पर सकारात्मक असर डाल सकती है. हालांकि, संवेदनशील त्वचा वालों को किसी भी घरेलू नुस्खे को अपनाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करना चाहिए. प्राकृतिक तरीके से निखार पाने के लिए चुकंदर एक किफायती और आसान विकल्प माना जाता है.

आज का राशिफल

मेष : सुख के साधन जुटेंगे। कानूनी बाधा दूर होगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। कुसंगति से बचें। परिवार में मांगलिक कार्यक्रमों की चर्चा संभव है। संतान की रोजी-रोटी की चिंता समाप्त होने के योग हैं। व्यापार अच्छा चलेगा।

वृषभ : शत्रु सक्रिय रहेंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। क्रोध पर नियंत्रण रखें। विवाद न करें। उतावली में कोई काम न करें। पुरानी संपत्ति के रख-रखाव पर धन खर्च हो सकता है। सामाजिक, धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। विद्यार्थियों को पढ़ाई की चिंता रहेगी।

मिथुन : विवाद से क्लेश होगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक करेगा। व्यापार में नए प्रस्ताव लाभकारी रहेंगे। सही समय पर लिए गए फैसले लाभ दिला सकते हैं। आवास संबंधी समस्या हल होने के योग हैं।

कर्क : शत्रु सक्रिय रहेंगे। घर-बाहर तनाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। संपत्ति के कार्य लाभप्रद रहेंगे। भावनात्मक संबंधों में जल्दबाजी में निर्णय न लें। अधिकारी आपकी कार्यशैली से नाराज हो सकते हैं। परिश्रम के अनुरूप सफलता नहीं मिलेगी। संतान की इच्छा पूरी होगी।

सिंह : यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी सफल रहेंगे। धनार्जन होगा। पूँजी निवेश संबंधी कार्यों में सावधानी रखें। आत्मविश्वास बना रहेगा। कारोबार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता से हल करें।

कन्या : दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। भागदौड़ रहेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। धैर्य रखें। काम का बोझ कम करने के लिए जिम्मेदारियों को बाँटना आवश्यक है। आर्थिक कामों में परेशानी आने की संभावना है। दूसरों के काम में व्यर्थ मीन-मेख न निकालें।

तुला : प्रयास सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। व्यस्तता रहेगी। प्रसन्नता बढ़ेगी। कारोबार में वांछित तेजी आने की संभावना रहेगी। विवेक से निर्णय करने पर लाभ एवं सफलता प्राप्त हो सकेगी। नए कार्य का आरंभ लाभदायी रहेगा।

वृश्चिक : लेन-देन में सावधानी रखें। मेहमानों का आगमन होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। धनार्जन होगा। रोजगार के बेहतर अवसर मिलने से आय बढ़ेगी। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। प्रसन्नतावर्धक समाचार मिलेंगे। व्यापार में इच्छित लाभ होगा।

धनु : कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। मेहनत व लगन से कार्यक्षेत्र में बेहतर सफलता हासिल कर सकेंगे। अपने व्यसनों पर काबू रखना चाहिए। विवाह संबंधी प्रस्ताव आएँगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर : कोई मुसीबत आ सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। फालतू खर्च होगा। जोखिम न उठाएं। व्यावसायिक योजना के विस्तार में मित्रों से मदद मिलेगी। पुरानी झंझटों से राहत रह पाएगी। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखना होगा। व्यस्तता रहेगी।

कुंभ : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। धनार्जन होगा। घर की चिंता रहेगी। विरोधी भी आपसे प्रभावित होंगे। कला के क्षेत्र में इच्छित सफलता मिलने के योग हैं। सरकारी राज्यपक्ष के कामों में सावधानी रखें। मित्रों से मदद मिलेगी।

मीन : शत्रु परास्त होंगे। क्रोध पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध हो सकते हैं। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। साझेदारी में शुरू किया गया कार्य लाभ के अवसरों को बढ़ा सकता है। स्थायी संपत्ति खरीदने का मन बनेगा। दांपत्य जीवन में विश्वास बढ़ेगा। कामकाज की गति बनी रहेगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

अदरक-लहसुन पेस्ट जल्दी नहीं होगा खराब

अपनाएं ये ट्रिक्स, महीनों तक रहेगा फ्रेश

रसोई में अदरक-लहसुन का पेस्ट एक ऐसी चीज है जो हर सब्जी और ग्रेवी का स्वाद बढ़ा देता है. लेकिन अक्सर घर पर बना पेस्ट दो-चार दिन में ही काला पड़ जाता है या उसमें से अजीब सी बदबू आने लगती है. बाजार में मिलने वाले पेस्ट में प्रिजर्वेटिव होते हैं, जो सेहत के लिए अच्छे नहीं माने जाते. ऐसे में अगर आप कुछ छोटी-छोटी और असरदार ट्रिक्स अपनाएं, तो घर पर बना पेस्ट भी बाजार जैसा चमकदार और महीनों तक ताजा बना रहेगा. आइए जानते हैं वे तरीके जो आपकी रोज की मेहनत बचाएंगे और खाने का स्वाद भी बरकरार रखेंगे.

अदरक-लहसुन पेस्ट जल्दी खराब होने की सबसे बड़ी वजह नमी होती है. पेस्ट बनाने से पहले अदरक को धोने के बाद अच्छी तरह सूखने दें. छीलने के बाद लहसुन और अदरक को सूखे कपड़े या टिश्यू से पोंछना बेहद जरूरी है, अगर इनमें हल्की भी पानी की बूंद रह गई, तो पेस्ट जल्दी हरा या काला पड़ सकता है और बदबू भी आने लगती है. कई लोग जल्दी में यह स्टेप छोड़ देते हैं, लेकिन यही सबसे अहम तैयारी है. पूरी तरह सूखी सामग्री से बना पेस्ट ज्यादा दिनों तक ताजा रहता है और उसका असली स्वाद भी बरकरार रहता है.

मिक्सर चलाने में आसानी के लिए कई लोग ऊपर से पानी डाल देते हैं, लेकिन यही पेस्ट खराब होने का मुख्य कारण बनता है. पानी डालने से पेस्ट में बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं और कुछ ही दिनों में रंग बदलने लगता है. पानी की जगह 2-3 चम्मच तेल डालें. तेल पेस्ट को स्मूद बनाता है और उसकी शेल्फ लाइफ भी बढ़ाता है. साथ ही, पकाते समय मसाले भुनते भी अच्छे हैं. तेल डालने से स्वाद पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ता बल्कि खुशबू और बेहतर हो जाती है.

अदरक-लहसुन पेस्ट में एक चम्मच नमक मिलाना बहुत फायदेमंद होता है. नमक प्राकृतिक प्रिजर्वेटिव की तरह काम करता है और बैक्टीरिया की ग्रोथ को धीमा करता है. इससे पेस्ट लंबे समय तक सुरक्षित रहता है और खराब होने की संभावना कम हो जाती है. नमक मिलाने से स्वाद में भी हल्की बैलेंसिंग आती है, जिससे सब्जी या ग्रेवी बनाते समय मसाले बेहतर लगते हैं. खासकर गर्म मौसम में नमक मिलाना बेहद जरूरी है, क्योंकि तापमान बढ़ने पर पेस्ट जल्दी खराब होता है.

पेस्ट बनाते समय एक बड़ा चम्मच सफेद सिरका डालना बहुत असरदार ट्रिक है. सिरका pH लेवल को संतुलित रखता है और ऑक्सीकरण की प्रक्रिया धीमी कर देता है. यही वजह है कि पेस्ट का रंग हरा या काला नहीं पड़ता. इसके साथ ही पेस्ट 2-3 महीने तक लगभग पहले जैसा बना रहता है. कई लोग सोचते हैं कि सिरके से स्वाद बदल जाएगा, लेकिन पकने के बाद इसका स्वाद महसूस नहीं होता. यह तरीका खासतौर पर तब उपयोगी है जब आप ज्यादा मात्रा में पेस्ट बनाकर स्टोर करना चाहते हैं.

स्टोरेज भी पेस्ट की ताजगी में बड़ी भूमिका निभाता है. प्लास्टिक कंटेनर में रखने से पेस्ट में अजीब सी स्मेल आने लगती है और जल्दी खराब हो जाता है. हमेशा कांच की एयरटाइट जार या बोतल का इस्तेमाल करें. कांच रिएक्ट नहीं करता और अंदर हवा कम जाने देता है, जिससे पेस्ट लंबे समय तक फ्रेश रहता है. जार में भरते समय ऊपर थोड़ी तेल की पतली परत भी डाल सकते हैं, इससे पेस्ट हवा के संपर्क में नहीं आएगा और उसका रंग सुरक्षित रहेगा.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

10वीं की छात्रा से गैंगरेप; डर के चलते 3 दिन चुप रही बच्ची, 5 पर केस

बलिया. बलिया जिले के रतसरक्षेत्र के एक गांव में दलित किशोरी से गैंगरेप का मामला सामने आया है। बुधवार को किशोरी के पिता की तहरीर पर पुलिस ने चार नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। गड़वार के एक गांव की किशोरी 10वीं की छात्रा है। 15 फरवरी की देर शाम वह खेत में शौच के लिए गई थी। इसी बीच आरोपियों ने मौका पाकर सामूहिक दुष्कर्म किया। किशोरी ने घरवालों को कुछ नहीं बताया। इसी बीच मंगलवार को उसके शरीर में दर्द होने लगा तो मामले से परिजनों को अवगत कराया। बुधवार सुबह घरवाले लड़की को लेकर गड़वार थाने पहुंचे और पूरे घटना की जानकारी पुलिस को दी। पिता की तहरीर पर चार नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। खबर मिलते ही दोपहर बाद एसपी ओमवीर सिंह, एएसपी (दक्षिणी) कृपा शंकर, सीओ सिटी उस्मान घटनास्थल पर पहुंची। फारेंसिक टीम ने किशोरी के कपड़े आदि को भी कब्जे में ले लिया। फिलहाल आरोपी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। पीड़िता 10 वीं की छात्रा है। बुधवार को उसकी परीक्षा भी थी।

छोटे की जगह बड़ा भाई परीक्षा दे रहा था, डीएम के ऐक्शन पर धराया

इटावा. यूपी बोर्ड की हाई स्कूल और इंटर की परीक्षाएं बुधवार से कड़ी निगरानी के बीच शुरू हुईं। बोर्ड परीक्षा के पहले दिन ही एक मुन्ना भाई पकड़ा गया। इटावा में सुबह 8.30 बजे हाई स्कूल हिंदी के प्रश्न पत्र की परीक्षा शुरू हुई। इसी परीक्षा के दौरान एक मुन्ना भाई पकड़ा गया। रमेश चंद्र इंटर कॉलेज निवाड़ी कला का परीक्षा केंद्र बकेवर में स्थित बाबूराम सरस्वती इंटर कॉलेज को बनाया गया है। इसके चलते रमेश चंद्र इंटर कॉलेज में पढ़ने वाले एक छात्र को भी परीक्षा देने के लिए बाबूराम सरस्वती इंटर कॉलेज में आना था लेकिन वह छात्र परीक्षा देने नहीं आया उसके स्थान पर उसका बड़ा भाई परीक्षा दे रहा था। इसकी शिकायत किसी ने जिलाधिकारी से फोन पर की और बताया कि एक मुन्ना भाई परीक्षा दे रहा है।

दो युवकों पर गिरे हाईटेंशन तार, जलकर मौत

फिरोजाबाद. यूपी के फिरोजाबाद में भीषण हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि फिरोजाबाद जिले के थाना एका क्षेत्र में हाईटेंशन लाइन के विद्युत तार दो युवकों के ऊपर गिर गए। सुबह के समय दोनों युवक साथ ही शौच के लिए जा रहे थे तभी ये हादसा हो गया। दोनों युवकों की तारों की चपेट में आने से जलकर मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी परिवार को दी गई। सूचना मिलने के बाद परिवारों में चीख पुकार मच गई। पुलिस को भी घटना की जानकारी दी गई। सूचना पर मौके पर पहुंची एका पुलिस ने घटना के बाद से गुस्साए लोगों को शांत किया और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

प्राइवेट अस्पताल के आईसीयू से मरीज गायब

फिरोजाबाद. यूपी के फिरोजाबाद जिले के थाना उत्तर क्षेत्र के एक प्राइवेट अस्पताल से मरीज के गायब होने से हड़कंप मच गया। मरीज अस्पताल की आईसीयू से निकलकर पेट्रोल पंप पर पहुंच गया। परिजनों को जब मरीज आईसीयू में नहीं मिला तो हंगामा कर दिया और सड़क पर आकर जाम लगा दिया। जाम की सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझाकर शांत कराया। सीसीटीवी कैमरों को खंगाला तो अस्पताल से मरीज के गायब होने का राज खुला। कैमरे में मरीज आधा किमी की दूरी पर पेट्रोल पंप के पास देखा गया। इसके बाद परिजनों और पुलिस के साथ अस्पताल प्रशासन ने भी राहत की सांस ली।

PM बोले-डीपफेक रोकने के लिए AI कंटेंट पर लेबल लगे

नई दिल्ली. दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' के चौथे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने AI के सुरक्षित इस्तेमाल का नया फॉर्मूला दिया। पीएम ने कहा कि जैसे खाने के पैकेट पर 'न्यूट्रिशन लेबल' होता है, वैसे ही डिजिटल कंटेंट पर भी 'ऑथेंटिसिटी लेबल' होना चाहिए ताकि फर्क पता चल सके।

वहीं, रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने भारत को 'इंटेलिजेंस युग' में ले जाने के लिए 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश का बड़ा एलान किया है। समिट को आज नरेंद्र मोदी और मुकेश अंबानी के अलावा गूगल के CEO सुंदर पिचाई और ओपन एआई के सैम ऑल्टमैन जैसे लीडर्स ने संबोधित किया।

16 फरवरी से शुरू समिट 20 फरवरी तक चलेगी। इसमें आज 110 से ज्यादा देश, 20 से ज्यादा देशों के प्रमुख और करीब 100 CEOs और फाउंडर्स शामिल हुए हैं।

एआई में भय नहीं 'भाग्य' और भविष्य: पीएम ने स्पष्ट किया कि दुनिया के कई देशों में जहां एआई को लेकर भय का माहौल है, वहीं भारत इसे अपने 'भाग्य' और उज्ज्वल भविष्य के रूप में देख रहा है। भारत इसे अपनी विकास यात्रा का अगला बड़ा टर्निंग पॉइंट मानता है।

M.A.N.A.V (मानव) विजन का प्रस्ताव: मोदी ने एआई के लिए एक नया ग्लोबल फ्रेमवर्क दिया। उन्होंने कहा कि एआई Moral (नैतिक), Accountable (जवाबदेह), National Sovereignty (संप्रभुता), Accessible (सुलभ) और Valid (वैध) होना चाहिए, ताकि यह केवल डेटा पॉइंट न बनकर मानवता के कल्याण का जरिया बने।

साबित करेंगे कि AI नौकरियां नहीं छीनता

रिलायंस चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कि एआई नौकरियां छीनने के बजाय हाई-स्किल काम के नए मौके पैदा करेगा। उन्होंने एआई की तुलना महाभारत के 'अक्षय पात्र' से की। अंबानी ने एलान किया कि रिलायंस अगले 7 सालों में ₹10 लाख करोड़ का निवेश करेगी। अंबानी ने ये भी बताया कि जामनगर में मल्टी-गीगावाट AI डेटा सेंटर का काम शुरू हो गया है। साल 2026 के दूसरे हिस्से तक 120 MW से ज्यादा की क्षमता शुरू हो जाएगी।

छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती

शिवनेरी किले में भगदड़

- 3 लोग घायल
- रास्ता संकरा होने से भीड़ जमा
- महिलाएं और बच्चे फंस गए थे

पुणे. पुणे के जुन्नर इलाके में बुधवार रात शिवनेरी किले पर भगदड़ मचने से 3 लोग घायल हो गए। ये सभी छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर किला पहुंचे थे। लोग हाथी दरवाजा और गणेश दरवाजा से किले के अंदर जा रहे थे। रास्ता संकरा होने से भीड़ जमा हो गई। फिर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

पुणे रूरल के एसपी संदीप सिंह गिल ने बताया कि सुबह तकरीबन 3:30 बजे भीड़ अग्नि ज्योति लेकर तेजी से रेलिंग की तरफ से नीचे उतर रही थी। वहां पुलिस पहले से मौजूद थी लोगों को रोकने की कोशिश की गई लेकिन तब तक लोग एक दूसरे पर गिर गए इसमे 3 के पैर मै चोट आई है एक का पैर मुड़ गया है और 2 लोग मामूली जख्मी हैं।

घायलों को जुन्नर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका इलाज जारी है। शिवाजी जयंती पर हर साल शिवनेरी किले में बड़ी संख्या में लोग आते हैं।

बिना इजाजत भारत नहीं छोड़ूंगा मिलॉर्ड

- अनिल अंबानी ने सुप्रीम कोर्ट को लिखकर दिया

नई दिल्ली. देश के प्रमुख उद्योगपति अनिल अंबानी ने सुप्रीम कोर्ट में एक औपचारिक हलफनामा दायर किया है कि वे सर्वोच्च न्यायालय की पूर्व अनुमति के बिना भारत छोड़कर नहीं जाएंगे। अंबानी ने यह भी आश्वासन दिया है कि रिलायंस कम्युनिकेशंस (RCOM) और उसकी समूह संस्थाओं द्वारा कथित तौर पर किए गए बड़े पैमाने के बैंक फ्रॉड मामले की जांच में वे जांच एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करना जारी रखेंगे। यह मामला ईएएस सरमा बनाम भारत सरकार के तहत चल रहा है। अंबानी फिलहाल प्रवर्तन निदेशालय (ED) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) की जांच के घेरे

में हैं। अंबानी द्वारा यह हलफनामा ईएएस सरमा द्वारा दायर एक जनहित याचिका (PIL) के जवाब में आया है। इससे पहले 4 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने अंबानी के वकील, वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी के उस बयान को रिकॉर्ड में लिया था कि अंबानी अदालत की अनुमति के बिना विदेश यात्रा नहीं करेंगे। अपने हलफनामे में अनिल अंबानी ने इस आश्वासन को औपचारिक रूप से रिकॉर्ड पर रखा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब से मौजूदा जांच शुरू हुई है वे जुलाई 2025 से भारत से बाहर नहीं गए हैं और फिलहाल उनकी विदेश यात्रा की कोई योजना नहीं है। उन्होंने अंडरटेकिंग दी है कि यदि विदेश यात्रा की आवश्यकता पड़ती है, तो वे ऐसा करने से पहले अदालत से अनुमति लेंगे।

जांच एजेंसियों के साथ सहयोग का वादा

हलफनामे में इस बात पर जोर दिया गया है कि अंबानी जांच एजेंसियों के साथ सहयोग कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। उन्होंने बताया कि उन्हें प्रवर्तन निदेशालय द्वारा समन भेजा गया है और उन्होंने निर्धारित तिथि पर जांच में शामिल होने का आश्वासन दिया है। हलफनामे में यह भी कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट में कार्यवाही लंबित रहने के दौरान धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (PMLA) की धारा 50 के तहत उनकी जांच चल रही है।

खैरात नहीं रोजगार दो

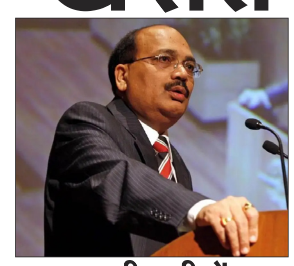

- मुफ्त की स्कीमों पर भड़का सुप्रीम कोर्ट
- सरकारों को नसीहत

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फ्रीबीज कल्चर (मुफ्त की रेवड़ियां) पर कहा कि अगर सरकार लोगों को सुबह से शाम तक फ्री खाना, गैस और बिजली देते रहेंगे तो लोग काम क्यों करेंगे। ऐसे तो हम वर्क कल्चर को खत्म कर रहे हैं। देश में यह क्या हो रहा है।

कोर्ट ने कहा कि गरीबों की मदद करना समझ में आता है, लेकिन बिना फर्क किए सबको मुफ्त सुविधा देना उचित नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। जिसमें कंज्यूमर्स की फाइनेंशियल हालत की परवाह किए बिना सभी को फ्री बिजली देने का प्रस्ताव था।

CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि देश के ज्यादातर राज्य राजस्व घाटे में हैं और फिर भी वे विकास को नजरअंदाज करते हुए ऐसी फ्रीबीज दे रहे हैं।

CJI सूर्यकांत के 3 सवाल...

- आपको लोगों के लिए रोजगार के रास्ते बनाने चाहिए ताकि वे कमा सकें और अपनी इज्जत और आत्म सम्मान बनाए रख सकें। जब उन्हें एक ही जगह से सबकुछ मुफ्त मिल जाएगा तो लोग काम क्यों करेंगे। क्या हम ऐसा ही देश बनाना चाहते हैं।
- अचानक चुनाव के आस-पास स्कीम क्यों अनाउंस की जाती हैं? अब समय आ गया है कि सभी पॉलिटिकल पार्टियां, नेता फिर से सोचें। अगर हम इस तरह से उदारता दिखाते रहे तो हम देश के डेवलपमेंट में रुकावट डालेंगे। एक बैलेंस होना चाहिए। ऐसा कब तक चलेगा?
- हम भारत में कैसी संस्कृति विकसित कर रहे हैं? यह समझ में आता है कि कल्याणकारी योजना के तहत आप उन लोगों को राहत दें जो बिजली का बिल नहीं चुका सकते। लेकिन जो लोग भुगतान करने में सक्षम हैं और जो नहीं हैं, उनके बीच कोई फर्क किए बिना मुफ्त सुविधा देना क्या तुष्टिकरण की नीति नहीं है?"

नीतीश को शराब पर ओवैसी का साथ

- समीक्षा का दबाव बना रहे हैं मांझी और माधव

पटना. बिहार में राज्यसभा चुनावों के ऐलान से पहले शराबबंदी की समीक्षा की मांग उठाकर जीतनराम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टियां एनडीए सरकार चला रहे नीतीश कुमार पर दबाव बना रही थी। राज्यसभा चुनावों के ऐलान के बाद शराबबंदी पर असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी AIMIM ने इस मसले पर नीतीश के साथ रहने का ऐलान कर दिया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक दल के नेता अख्तरुल ईमान ने कहा है कि एआईएमआईएम शराबबंदी की

पक्षधर है। हालांकि अख्तरुल ईमान ने यह आरोप लगाया है कि प्रशासनिक पदाधिकारियों की लापरवाही और मिलीभगत से यह शराब बैन पूरी तरह फेल है। घर-घर में शराब की होम डिलीवर की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस पर सरकार को ऐक्शन लेना चाहिए।

बुधवार को उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के विधायक दल के नेता माधव आनंद ने शराबबंदी कानून की समीक्षा की मांग की थी। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से कहा था कि शराबबंदी कानून की विस्तृत समीक्षा होनी चाहिए। माधव आनंद ने यह भी कहा था कि उन्हें पूरा भरोसा है कि नीतीश कुमार इसकी समीक्षा करेंगे और आवश्यक निर्णय लेंगे।

बुधवार को ही गयाजी में केंद्रीय मंत्री और हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के नेता जीतनराम मांझी ने शराब बैन की समीक्षा की मांग दोहराई थी। मांझी पहले भी शराबबंदी के खिलाफ बोलते रहे हैं। मांझी ने बुधवार को कहा था कि शराबबंदी से बिहार को आर्थिक नुकसान हो रहा है, इसलिए समीक्षा होनी चाहिए।

किंग चार्ल्स के भाई प्रिंस एंड्रयू गिरफ्तार

लंदन. एपस्टीन मामले में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई हुई है। ब्रिटेन के राजा किंग चार्ल्स के छोटे भाई पूर्व प्रिंस एंड्रयू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को ब्रिटेन की थेम्स वैली पुलिस ने पूर्वी इंग्लैंड के सैंड्रिंघम एस्टेट में वुड फार्म से एंड्रयू को गिरफ्तार किया। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, छह बिना नंबर वाली पुलिस कारें और लगभग आठ सादे कपड़ों में पुलिस अधिकारी दिन में पहले पूर्वी इंग्लैंड के सैंड्रिंघम एस्टेट स्थित वुड फार्म पर पहुंचे और प्रिंस को गिरफ्तार कर लिया।

असम में आसान नहीं होगी कांग्रेस की राह

- BJP ने सेट किया 18% का टारगेट

गुवाहाटी. असम में इसी साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। भाजपा के लिए यहां सत्ता बचाने की चुनौती है। भगवा खेमा अगर यहां सरकार बनाने में सफल होता है तो असम में यह हैट्रिक होगी। भाजपा ने इसके लिए पूरी ताकत झोंक दी है। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने हाल ही में पार्टी कार्यकर्ताओं को असम विधानसभा में 50% वोट लाने का लक्ष्य दिया है। आपको बता दें कि पिछले विधानसभा चुनाव में में बीजेपी का वोट शेयर 33.2 % था। वहीं, सत्ता में वापसी की कोशिश कर रही कांग्रेस को उस समय जबरदस्त

झटका लगा जब पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने पार्टी छोड़ दी।

भाजपा अध्यक्ष के द्वारा दिए गए टारगेट को अगर बीजेपी हासिल कर लेती है तो सभी दलों का सूपड़ा साफ कर देगी। विपक्ष सिर्फ 20-28 सीटों पर सिमट जाएगा। आपको बता दें कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की लोकप्रियता अभी भी कायम है।

कांग्रेस की बात करें तो असम विधानसभा की राह आसान नहीं है। वरिष्ठ नेता भूपेन बोरा के इस्तीफे से जहां पार्टी आंतरिक चुनौती से जूझ रही है, वहीं महाजोत में भी सब कुछ ठीक नहीं है। सीट बंटवारे में ज्यादा से ज्यादा सीट हासिल करने को लेकर महाजोत के कई घटकदल दबाव बनाए हुए हैं। असम में अप्रैल में चुनाव हो सकते हैं। वहीं, असम जातीय परिषद और अखिल गोगोई का रायजोर दल अब महाजोत में शामिल हैं। कांग्रेस ने एजेपी और रायजोर दल दोनों को महाजोत में 11-11 सीट देने की पेशकश की है, पर दोनों दल इससे ज्यादा सीट की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस इन्हें अधिक सीट देती है, तो चुनाव में कांग्रेस को कम सीट पर लड़ना होगा।

कई विधायक व नेता भाजपा की राह पर

तमाम कोशिशों के बावजूद कांग्रेस असम में पार्टी को एकजुट रखने में विफल रही। भूपेन बोरा ने आखिरकार पार्टी छोड़ दी। पार्टी को डर है कि भूपेन बोरा के साथ उनके भरोसेमंद कई विधायक और नेता भाजपा में शामिल हो सकते हैं। इससे मतदाताओं में पार्टी की छवि कमजोर होगी। इसके साथ महाजोत में सीट बंटवारा भी कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती है। क्योंकि, 2021 के महाजोत में कई बदलाव हुए हैं।

टीम इंडिया ने तोड़ा अपना 17 साल पुराना रिकॉर्ड

- T20 वर्ल्ड कप इतिहास में पहली बार किया ऐसा

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खिलाफ आखिरी ग्रुप ए मैच खेला गया। भारत ने अहमदाबाद के नरेंद मोदी स्टेडियम में नीदरलैंड को 17 रनों से मात दी। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम ने 193/6 का स्कोर बनाया था। जवाब में नीदरलैंड ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 176 रन बटोरे। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने तीन विकेट चटकाए। ऑलराउंडर शिवम दुबे ने दो और हार्दिक बांड्या ने जबकि पेसर जसप्रीत बुमराह ने एक-एक शिकार किया। अर्शदीप सिंह, वॉशिंगटन सुंदर और अभिषेक शर्मा ने भी गेंदबाजी की लेकिन विकेट नहीं मिला। भारत ने मैच में सात गेंदबाजों का इस्तेमाल किया। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में भी सात बॉलर को आजमाया था।

डिफेंडिंग चैंपियन भारत जारी टूर्नामेंट में अब तक 12 गेंदबाजों का इस्तेमाल कर चुका है। भारत ने पहली बार एक T20 वर्ल्ड कप संस्करण में इतने गेंदबाजों का इस्तेमाल किया है। टीम इंडिया ने अपना 17 साल पुरना रिकॉर्ड तोड़ा है। भारत ने इससे पहले 2009 में इंग्लैंड में आयोजित टूर्नामेंट में 11 बॉलर्स का इस्तेमाल किया गया था। भारत द्वारा टी20 वर्ल्ड कप के एक मैच में सबसे ज्यादा 8 गेंदबाजों को आजमाया गया है। भारत ने दो बार ऐसा किया। भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2009 में साउथ अफ्रीका और 2012 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले में 8 बॉलर्स को गेंद थमाई थी।

शिवम दुबे चुने गए प्लेयर ऑफ द मैच

नीदरलैंड के खिलाफ शिवम दुबे प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। उन्होंने गेंद के अलावा बल्ले से भी प्रभावी प्रदर्शन किया। दुबे ने 31 गेंद में छह छक्कों और चार चौकों से 66 रन की करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली। उन्होंने हार्दिक पंड्या (21 गेंद में 30 रन, तीन छक्के) के साथ पांचवें विकेट के लिए 35 गेंद में 76 रन की साझेदारी की जिससे भारत ने चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया।

शशि थरूर बोले- वंदे मातरम गाने के लिए मजबूर मत कीजिए

नई दिल्ली. कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने 'वंदे मातरम' को लेकर चल रही बहस पर अपने विचार रखते हुए कहा है कि किसी भी नागरिक को इसे गाने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। थरूर ने सरकार द्वारा जारी की गई हालिया गाइडलाइंस की आलेचना करते हुए कहा कि देशभक्ति दिल से निभाई जाती है और कानून बनाकर देशभक्ति को जबरन जुबान पर नहीं लाया जा सकता। बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बीते दिनों एक औपचारिक दिशानिर्देश जारी कर आदेश दिए हैं कि अब से राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' सभी आधिकारिक कार्यक्रमों में अनिवार्य रूप से पूरा गाना होगा।

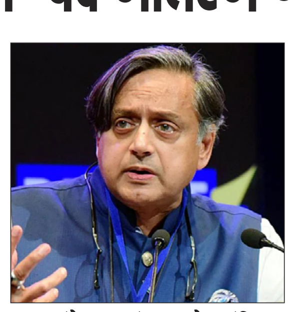

कांग्रेस सांसद ने इंडियन एक्सप्रेस के लिए लिखे गए अपने एक लेख में 'वंदे मातरम' के इतिहास का जिक्र करते हुए बताया कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का यह गीत आजादी के आंदोलन में जोश भरने वाला नारा था। सत्याग्रहियों को लाठीचार्ज झेलने का साहस इसी गीत से मिला और फांसी पर चढ़ने वाले क्रांतिकारियों के दिलों में भी यही गूंजता था। लेकिन आज एक धर्मनिरपेक्ष गणराज्य के तौर पर हमें राज्य के प्रतीकों और व्यक्तिगत अंतरात्मा के बीच संतुलन बनाना होगा।

शशि थरूर ने याद दिलाया कि आजादी के समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 'वंदे मातरम' गाती थी, लेकिन देश की धार्मिक विविधता को देखते हुए 'जन गण मन' को राष्ट्रगान चुना गया। संविधान सभा ने 'वंदे मातरम' को राष्ट्रीय गीत का 'समान दर्जा' दिया, ताकि स्वतंत्रता संग्राम में उसकी भूमिका का सम्मान हो सके और किसी समुदाय को अलग-थलग भी ना किया जाए। यह एक सोच-समझकर किया गया समझौता था।

टैगोर की भूमिका पर भी बोले

शशि थरूर ने रवींद्रनाथ टैगोर की भूमिका का भी जिक्र किया। टैगोर ने 1896 में इस गीत को संगीतबद्ध किया था, लेकिन 1937 में उन्होंने सुझाव दिया कि सार्वजनिक मंचों पर सिर्फ पहले दो अंतरे गाए जाएं। उनका तर्क था कि शुरुआती पंक्तियां मातृभूमि की प्राकृतिक सुंदरता का प्रतीकात्मक वर्णन करती हैं, जिसे सभी स्वीकार कर सकते हैं। लेकिन बाद के अंतरों में दुर्गा और लक्ष्मी जैसी देवी-देवताओं का उल्लेख है, जिसे कुछ धर्मों के लोग धार्मिक कारणों से नहीं गा सकते।

'मैडम क्या मांगा भगवान से'

- पत्रकार ने मंदिर के बाहर प्रियंका गांधी से पूछा सवाल

गुवाहाटी. कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा असम दौरे पर हैं। वह विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर राज्य पहुंचीं हैं। इस दौरान वह कामाख्या मंदिर भी दर्शन के लिए पहुंचीं। उन्होंने बताया कि वह भगवान से कुछ नहीं मांगती हैं। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि कांग्रेस फरवरी के अंत तक असम चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर सकती है।

वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा गुरुवार को मां कामाख्या

मंदिर पहुंचीं थी। मंदिर के बाहर पत्रकारों ने उनसे सवाल किया, 'हैलो मैम, मैम आज दर्शन के लिए आईं हैं। क्या मांगेंगी भगवान से।' इसपर उन्होंने जवाब दिया, 'मैं कभी मांगती नहीं हूं भगवान से।' इस दौरान उनके साथ असम कांग्रेस प्रमुख गौरव गोगोई समेत कई नेता मौजूद थे। प्रियंका असम के दो दिवसीय दौरे पर हैं।

इस महीने उम्मीदवारों का ऐलान संभव

बुधवार को गोगोई ने कहा कि पहली सूची में शामिल नामों सहित कुल 80 कांग्रेस उम्मीदवारों के नामों की घोषणा मार्च के पहले सप्ताह तक कर दी जाएगी। गोगोई ने कहा, 'हमारा लक्ष्य चयन प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करना है। केंद्रीय नेतृत्व ने हमें यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि पहली सूची इस महीने के अंत तक जारी हो जाए।'

कबाड़ में मिला 10 तोला सोना खुद जाकर लौटाया

बल्लभगढ़. हरियाणा के बल्लभगढ़ में 'खान साहब' ने जो किया वह ईमानदारी की मिसाल बन गई है। सोशल मीडिया पर उनकी खूब तारीफ हो रही है। कबाड़ी का काम करने वाले एक शख्स ने करीब 15 लाख रुपये का सोना उस परिवार को लौटा दिया है, जो इसका असली मालिक था। करीब छह महीने पहले कबाड़ के साथ यह सोना भी घर से चला गया था। बल्लभगढ़ में आगरा कैनाल के पास कबाड़ का काम करने वाले हाजी अख्तर खान ने करीब 100 ग्राम सोने के जेवर उनके असली मालिक अशोक शर्मा को लौटाए हैं। जेवरात एसीपी जितेश मल्होत्रा की मौजूदगी में औपचारिक पुष्टि के बाद सौंपे गए।

जज के सामने महिला ने निकाला चाकू

- कोर्ट रूम में ही अधिवक्ता को धमकी से खलबली

वाराणसी. वाराणसी कचहरी परिसर स्थित एसीजेएम षष्ठम (ACJM VI) के कोर्ट रूम में गुरुवार को उस समय अफरातफरी मच गई, जब एक महिला ने जज के सामने ही अपने बैग से चाकू निकाल लिया। महिला एक पुराने मारपीट के मामले में पैरवी के लिए पहुंची थी। इसी दौरान एक महिला अधिवक्ता से उसकी तीखी नोकझोंक हुई तो चाकू निकाल लिया। गनीमत रही कि वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों और वकीलों ने तत्परता दिखाते हुए महिला को काबू में कर लिया। पुलिस ने फिलहाल महिला को हिरासत में ले लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, मिर्जामुराद थाने के चंगवार बेनीपुर की रहने वाली महिला एसीजेएम षष्ठम की अदालत में पहुंची थी। बताया जा रहा है कि करीब दो माह पहले महिला के परिजनों ने उसके साथ मारपीट की थी। महिला इसी मामले का मेडिकल रिपोर्ट (मुआयना) बनवाकर कोर्ट में अपनी बात रखने पहुंची थी।

कोर्ट रूम के भीतर वह एक महिला अधिवक्ता से मिली और उनसे अपने मामले में कड़ी कार्रवाई कराने की जिद करने लगी। जब महिला अधिवक्ता ने कानूनी प्रक्रिया का हवाला देते हुए तुरंत कार्रवाई से असमर्थता जताई तो महिला उग्र हो गई। बहस के दौरान ही उसने अचानक अपने बैग से चाकू निकाल लिया और वकील को धमकाने लगी। जज के सामने हुई इस घटना से कोर्ट रूम में खलबली मच गई।

घटना की सूचना मिलते ही कैंट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने उसके पास से मिले चाकू को कब्जे में ले लिया है।

कराची में इमारत गिरने से 16 लोगों की मौत; 14 घायल

कराची. पाकिस्तान के कराची में गुरुवार को एक अपार्टमेंट में गैस रिसाव के कारण हुए विस्फोट से इमारत का एक हिस्सा ढह गया, जिसमें महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई और 14 लोग घायल हो गए। स्थानीय पुलिस प्रमुख रिजवान पटेल ने बताया कि यह विस्फोट सिंध प्रांत की राजधानी कराची के एक आवासीय इलाके में हुआ। उन्होंने कहा कि बचावकर्मी अभी भी मलबा हटाकर यह पता लगाने में जुटे हैं कि क्या कोई व्यक्ति मलबे में फंसा हुआ है।

संक्षेप...

खारघर और तलोजा आज पानी कटौती

खारघर. सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ने शुक्रवार, 20 फरवरी, 2026 को खारघर और तलोजा नोड्स में 12 घंटे के लिए पानी की सप्लाई बंद करने की घोषणा की है। ऐसा बेलापुर में मेन हेटवाने पाइपलाइन पर इमरजेंसी रिपेयर के काम के कारण किया जा रहा है। पानी की कटौती सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक लागू रहेगी।

इस दौरान, खारघर और तलोजा में पानी की सप्लाई नहीं होगी। अधिकारियों ने कहा कि उसी दिन रात 9 बजे के बाद रेगुलर शेड्यूल के अनुसार पानी की सप्लाई फिर से शुरू हो जाएगी; हालांकि, शुरुआत में लोगों को कम प्रेशर और पानी की कम मात्रा का सामना करना पड़ सकता है।

घोषणा के अनुसार, बेलापुर में मेन हेटवाने पानी की लाइन पर अर्जेंट रिपेयर का काम करने के लिए शटडाउन का प्रस्ताव रखा गया है.

भिवंडी में सत्ता का खेला, विकास कोसों दूर

- सेक्युलर फ्रंट और भाजपा मिलन से वोटर महसूस कर रहे ठगा
- आज महापौर, उप महापौर चुनाव

सेक्युलर फ्रंट भाजपा का छिपा गठजोड़

भिवंडी मनपा में बहुमत के लिए 46 सीटें ज़रूरी है लेकिन किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं है .कांग्रेस 30, भाजपा 22 और शिवसेना व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के पास 12-12 सीटें हैं .सपा 6,कोणार्क विकास आघाड़ी 4, भिवंडी विकास मंच 3 सहित 1अपक्ष नगरसेवक ने जीत हासिल की है .महागठबंधन और विपक्ष दोनों ही सत्ता हासिल करने के लिए राजनीतिक दांव-पेच खेल रहे हैं . मेयर, डिप्टी मेयर के सत्ता संघर्ष में शहर के विकास, नागरिकों के मुद्दों, बुनियादी ढांचे, पानी, सड़कों, स्वच्छता और रोजगार जैसे बुनियादी मुद्दों की पूरी तरह से अनदेखी की जा रही है .सेक्युलर फ्रंट और पीछे से भाजपा की ताकत ही चुनाव में असली रंग दिखाएगी,ऐसा भिवंडीकरों का कहना है .

मेयर जिम्मेदारी का पद

- मेयर का पद प्रतिष्ठा का नहीं, बल्कि ज़िम्मेदारी का पद है . भिवंडी की मौजूदा राजनीति में मेयर पद को प्रतिष्ठा की बजाय सत्ता का ताज समझा जा रहा है .पार्टी के भीतर गुटबाजी, उम्मीदवारों में बदलाव, विद्रोह और विचारधाराओं का अस्थायी त्याग ये सभी लोकतंत्र को कमजोर करने के तरीके हैं .
- भिवंडी की जनता ने पार्षदों को शहर के विकास के लिए चुना है, न कि सत्ता के खेल के लिए . नगरसेवक अपने स्वार्थ के लिए भूमिकाएँ बदल रहे हैं . पार्षदों और दलों को याद रखना चाहिए कि जनता सब देख रही है . सत्ता अस्थायी है, लेकिन एक बार जनता का विश्वास खो जाने पर उसे पुनः प्राप्त करना कठिन होता है .
- भिवंडी को सत्ता का नाटक नहीं, बल्कि स्थिर और जिम्मेदार नेतृत्व चाहिए . दलों और पार्षदों को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं को त्यागकर शहर के विकास को प्राथमिकता देनी चाहिए . अन्यथा, यह चुनाव लोकतंत्र का उत्सव नहीं, बल्कि उसका खुला उपहास होगा .प्रबुद्ध वोटरों की निगाहें आज होने वाले मेयर,डिप्टी मेयर के चुनाव पर टिकीं हैं .

भिवंडी. भिवंडी मनपा महापौर पद का चुनाव महज एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक बेहद महत्वपूर्ण चरण है जो शहर के विकास की दिशा तय करता है. हालांकि, भिवंडी में चल रहे मौजूदा सत्ता संघर्ष को देखते हुए यह बात सामने आई है कि यह चुनाव विकास की बजाय सत्ता की लालसा और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा के लिए लड़ा जा रहा है.भारतीय जनता पार्टी ने पहले नारायण चौधरी को आधिकारिक उम्मीदवार घोषित किया और उनका आवेदन भी दाखिल कर दिया गया. अचानक 48 घंटे पूर्व ही ड्रामाई अंदाज में घोषित उम्मीदवार का नाम बदलकर स्नेहा मेहुल पाटिल को अधिकारित मेयर प्रत्याशी घोषित कर दिया गया. उक्त निर्णय न केवल संगठनात्मक गड़बड़ी है, बल्कि पार्टी के भीतर संचार की कमी, योजना की कमी और नेतृत्व में अस्थिरता को भी दर्शाता है. सूत्रों से जानकारी सामने आ रही है कि पार्टी के 9 पार्षदों ने बगावत का रास्ता अपनाते हुए उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आवास नंदन बन जाकर गुपचुप चर्चा कर माहौल गर्मा दिया है.

नारायण चौधरी ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कांग्रेस के साथ जाने का फैसला किया है.उनका फैसला विचारधारा के प्रति वफादार मतदाताओं के लिए चौंकाने वाला है.अधिसंख्यक वोटरों का कहना है कि,चुनाव के दौरान, एक विचारधारा के नाम पर वोट मांगना और फिर सत्ता हथियाने के लिए विपक्षी विचारधारा से हाथ मिलाना जनता के भरोसे का सीधा धोखा है.सेक्युलर फ्रंट से नगरसेवक तारिक मोमिन को डिप्टी मेयर बनाए जाने की तैयारी है.भाजपा और कांग्रेस के छुपे एजेंडे से शहरवासियों को नगरसेवकों की लालची भूमिका के प्रति सोचने पर मजबूर कर दिया है.

पूर्व महापौर विलास पाटिल को नहीं मिली जमानत

- 21 तक फिर न्यायिक हिरासत

भिवंडी. भिवंडी मनपा के पूर्व महापौर विलास पाटील की जमानत याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी है। कोर्ट ने उन्हें 21 फरवरी तक दोबारा पुलिस हिरासत में भेज दिया है। हालांकि अदालत ने उन्हें 20 फरवरी को होने वाले महापौर चुनाव में मतदान के लिए कड़ी पुलिस सुरक्षा में मनपा मुख्यालय में सभागृह जाने की अनुमति दे दी है।

बता दें कि ठाणे आर्थिक अपराध शाखा ने 13 फरवरी की देर रात धोखाधड़ी से जुड़े एक मामले में विलास पाटील को हिरासत में लिया था। उन्हें शनिवार को विशेष सुनवाई के दौरान अदालत ने चार दिन यानी 18 फरवरी तक पुलिस हिरासत में भेजा था। गिरफ्तारी के बाद भी विलास पाटील ने अपने राजनीतिक कदम पीछे नहीं लिए और उन्होंने 16 फरवरी को अदालत की अनुमति से पुलिस सुरक्षा में मनपा मुख्यालय पहुंचकर महापौर पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया था। 18 फरवरी को ऑनलाइन माध्यम से हुई सुनवाई में अदालत ने उन्हें फिर 21 फरवरी तक न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया है। साथ ही अदालत ने स्पष्ट किया है कि 20 फरवरी को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच वह महापौर चुनाव में भाग ले सकेंगे।

ठाणे जिले में 47,505 मरीज़ ठीक हुए

जनवरी 2025 और जनवरी 2026 के बीच 14,419 बड़ी और 33,086 छोटी सर्जरी की गईं

ठाणे. जिला सरकारी अस्पताल ने जनवरी 2025 और जनवरी 2026 के बीच 47,505 सर्जरी सफलतापूर्वक की हैं। इसमें 14,419 बड़ी और 33,086 छोटी सर्जरी शामिल हैं, जो मरीज़ों के बढ़ते बोझ के बावजूद जिले के सरकारी अस्पतालों द्वारा दी जाने वाली सर्विस की हाई क्वालिटी को दिखाता है।सिविल अस्पताल ठाणे ने सबसे ज़्यादा 4,341 बड़ी सर्जरी की हैं, और यह अस्पताल गंभीर और मुश्किल मरीज़ों के इलाज में सबसे आगे रहा है। सेंट्रल अस्पताल उल्हासनगर-3 में 2,705 बड़ी सर्जरी और सब-सरकारी अस्पताल भिवंडी में 2,643 बड़ी सर्जरी सफलतापूर्वक की गईं। छोटी सर्जरी में, भिवंडी सब-सरकारी अस्पताल 12,610 ऑपरेशन के साथ सबसे आगे रहा, जबकि उल्हासनगर-3 में 6,072 और सिविल अस्पताल ठाणे में 3,226 छोटी सर्जरी की गईं।ग्रामीण इलाकों में भी स्वास्थ्य की मजबूत नींव रखी गई। शाहपुर सब-सरकारी अस्पताल के साथ-साथ बदलापुर, अंबरनाथ, मुरबाद, गोवेली, टोकड़े जैसे ग्रामीण अस्पतालों में सैकड़ों सर्जरी सफलतापूर्वक की गईं। प्राइमरी इलाज देते हुए, गंभीर मरीजों को तुरंत हायर-लेवल सेंटर में रेफर करने के लिए एक अच्छा सिस्टम बनाया गया है। इसकी वजह से,स्वास्थ्य विभाग ग्रामीण और शहरी इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाओं के बीच बैलेंस बनाने में कामयाब रहा है।इसमें, शहापुर में बहुत ज़्यादा दर्द से परेशान एक नौजवान की रिस्की अपेंडेक्टॉमी सर्जरी सक्सेसफुली की गई और उसे नई ज़िंदगी मिली। एक लड़का जो पेड़ से गिर गया था और उसका हाथ कट गया था, उसका तुरंत सिविल अस्पताल ठाणे में ऑपरेशन किया गया और उसका हाथ बचा लिया गया। डॉक्टरों ने एक 78 साल की महिला के ब्रेस्ट से कैंसर वाली गांठ निकालने और उसकी जान बचाने में भी कामयाबी हासिल की।

अच्छे इलाज मरीजों का करना सिविल अस्पताल का मुख्य उद्देश्य है। 47 हज़ार से ज़्यादा सर्जरी सिर्फ़ एक स्टैटिस्टिक नहीं है, बल्कि हर मरीज़ को नई ज़िंदगी मिलने का भरोसा है।

- डॉ. कैलाश पवार
(जिला सिविल सर्जन ठाणे)

अनैतिक संबंध की वजह से हत्या, आरोपी गिरफ्तार

ठाणे. मुंब्रा पुलिस ने महज दो घंटे में हत्या के मामले का पर्दाफास करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया. जहां से उन्हें 7 दिन के लिए पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया. हत्या की वजह अनैतिक संबंध बताया गया है. मुंब्रा स्थित साहारा सिटी के पास निर्माणाधीन स्टार सिटी ए विंग की तीसरी मंजिल पर 17 फरवरी की रात 1 से दो बजे के बीच सुपरवाईजर का काम करने वाले 39 वर्षीय राजू ललन यादव की बेरहमी से हत्या कर दी गयी. घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए. मृतक खर्डी रोड स्थित साहारा सिटी के पास आनाया बिल्डिंग के रूम नंबर 1 में रहता था. उसकी पत्नी से पूछ ताछ में यह मालुम हुआ कि मृतक का फरहिन मोहम्मद आबिद मलिक नामक महिला के साथ अवैध संबंध था. पुलिस ने उसी इमारत में रहने वाले मोहम्मद आबिद अब्दुल वाजिद मलिक व उसकी पत्नी फरहिन मोहम्मद आबिद मलिक को हिरासत में ले लिया.

ठाणे मनपा ने छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती धूमधाम से मनाई

ठाणे. मनपा ने छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती धूमधाम से मनाई। मेयर शर्मिला पिंपलोलकर, डिप्टी मेयर कृष्णा पाटिल, म्युनिसिपल कमिश्नर सौरभ राव ने मनपा के स्वर्गीय नरेंद्र बल्लाल हॉल में छत्रपति शिवाजी महाराज की तस्वीर पर फूल चढ़ाए। उसके बाद, मासुंदा तालाब पर छत्रपति शिवाजी महाराज की पूरी मूर्ति पर फूल चढ़ाए गए। इस मौके पर मेयर शर्मिला पिंपलोलकर ने सभी ठाणे निवासियों को शिव जयंती की शुभकामनाएं दीं।साथ ही, डिप्टी मेयर कृष्णा पाटिल ने कलवा नाका पर छत्रपति शिवाजी महाराज की पूरी मूर्ति पर फूल चढ़ाए।इस मौके पर एडिशनल कमिश्नर (2) प्रशांत रोडे, शिवसेना ग्रुप लीडर पवन कदम, डिप्टी कमिश्नर जी.जी. गोदापुरे, उमेश बिरारी, दीपक जिंजाड़,टीएमटी जीएम भालचंद्र बेहरे, असिस्टेंट कमिश्नर ललिता जाधव, सोपान भाईक सहित मनपा के अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

महापौर हर्षाली विजय चौधरी ने शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर अभिवादन किया। इस अवसर पर महापालिका आयुक्त अभिनव गोयल, अतिरिक्त आयुक्त हर्षल गायकवाड, अतिरिक्त शहर अभियंता प्रशांत भागवत, महापालिका सचिव किशोर शेळके, उपायुक्त कांचन गायकवाड, मुख्य उद्यान अधीक्षक संजय जाधव, शिक्षणाधिकारी विजय सरकटे, सहायक आयुक्त धनंजय थोरात सहित अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर अभिवादन किया।

मुंबई विश्वविद्यालय की 'उडान' महाअंतिम फेरी में एसएसटी की दमदार उड़ान

पोवाड़ा गायन में तृतीय स्थान

उल्हासनगर. मुंबई विश्वविद्यालय के जीवन शिक्षण एवं विस्तार (DLLE) विभाग द्वारा आयोजित 'उडान' मेगा फाइनल राउंड में उल्हासनगर स्थित एस.एस.टी. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय ने पोवाड़ा गायन प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की। छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती के अवसर पर आयोजित 'शिव शौर्यगाथा' पोवाड़ा गायन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत प्रभावशाली और दमदार प्रस्तुति की उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने विशेष सराहना की।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. रविंद्र कुलकर्णी, प्र-कुलगुरु डॉ. अजय भामरे, कुलसचिव डॉ. प्रसाद करांदे, डीएलएलई निदेशक डॉ. बलीराम गायकवाड़, प्रा. डॉ. कुणाल जाधव तथा मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध गायक श्री नंदेश उमप उपस्थित थे। सभी गणमान्य व्यक्तियों ने विद्यार्थियों की प्रस्तुति की भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्रबंधन, संस्थापक प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी, आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. खुशबू पुरस्वानी, सभी उपप्राचार्यों, प्राध्यापकगण तथा विद्यार्थियों ने संपूर्ण टीम को हार्दिक बधाई दी।

इस प्रतियोगिता के लिए डीएलएलई के फील्ड कोऑर्डिनेटर प्रा. दिलीप आहुजा, प्रा. सुदर्शन पाटील तथा श्री सदान जावरे ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

मुंबई में मोटर बस सेवा के 100 साल पूरे

पुराने डबल डेकर बसों पर विवाद तेज; हटाने की मांग

मुंबई. मुंबई में इस साल मोटर बस सेवा के 100 साल पूरे हो रहे हैं। एक ओर बस प्रेमी पुरानी नॉन-एसी डबल डेकर बसों को विरासत के तौर पर बचाने की मांग कर रहे हैं, तो दूसरी ओर नागपाड़ा और जेजे फ्लाईओवर के आसपास रहने वाले लोग इन बसों को तुरंत हटाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि ये बसें अब उपयोग में नहीं हैं और इलाके में परेशानी का कारण बन रही हैं। ये तीन पुरानी डबल डेकर बसें जेजे फ्लाईओवर के नीचे खड़ी हैं। पहली बस साउथ मुंबई की तरफ से आते हुए पायधोनी जंक्शन पर 'कैफेटेरिया' के नाम से खड़ी है। दूसरी बस मिनारा मस्जिद के पास 'लाइब्रेरी' के रूप में और तीसरी बस जेजे जंक्शन के पास 'आर्ट गैलरी' के रूप में रखी गई है। ये बसें मारोल डिपो की थीं और 15 साल की सेवा पूरी करने के बाद इन्हें सार्वजनिक सेवा से हटा दिया गया था।

अभी क्या हालत है?

फिलहाल ये तीनों बसें बंद पड़ी हैं। उन पर धूल और गंदगी जमी है। न तो इनमें कैफेटेरिया चल रहा है, न लाइब्रेरी और न ही आर्ट गैलरी। कुछ हिस्सों में तोड़फोड़ भी हुई है और ये आम लोगों के लिए बंद हैं। बस प्रेमी शुभम पाडवे का कहना है कि इन बसों की हालत खराब कर दी गई है। उनका आरोप है कि बसों को गलत रंग से रंग दिया गया, जो मुंबई की बसों से अलग दिखता है। उन्होंने कहा कि अगर अधिकारी इन बसों की देखभाल नहीं कर सकते, तो वे इन्हें खरीदकर निजी संग्रह में रखने को तैयार हैं। उन्होंने साउथ मुंबई में इन्हें टूरिस्ट सर्किट पर चलाने का प्रस्ताव भी दिया है।

Date: 19.02.2026

PUBLIC NOTICE

This is to inform to the general public that my clients (1) Mr. KripashankarSiyaram Pal and (2) Mrs. Manisha Ravishankar Pal intend to purchase property mentioned in the schedule herein below from Mrs. Mamta Alok Shrivastava.

SCHEDULE OF PROPERTY

All that piece and parcel of Room No.30/1, Behind Brk. No.1195, Shantinagar, Ulhasnagar-3, Dist. Thane, Maharashtra, India, area adm. 1220 Sq.ft. as per Municipal Records, assessed under Ward No.30, New Property No.30CO005445100,hereinafter called the "Said Property".

That if any person/s, authority/ies has/have any kind of right, interest, share or any nature of claim over the above said property then same may be written / submitted to undersigned along with documentary evidence within

Seven Days from the date of publication of this notice and thereafter all objections shall be treated as null and void and my client shall be at liberty to finalize the said deal by executing necessary documents.

Sd/-
B. R. Singh
Advocate High Court
Sai Sangam Apt., Flat No.304, 3rd Floor, Behind Cablewala, Shantinagar, Ulhasnagar-421003

'गोविंदा बदलते हैं तो मैं माफ कर दूंगी'

- एक्टर की पत्नी सुनीता आहूजा बोलीं- 40 साल का प्यार है, लेकिन अब दिल मजबूत है

गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा अक्सर अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। कभी दोनों के तलाक की खबरें सामने आती हैं तो कभी इन्हें अफवाह बताया जाता है। अब हाल ही में सुनीता ने अपने नए व्लॉग में एक बार फिर गोविंदा के साथ अपने रिश्ते पर खुलकर बात की। इस बार उन्होंने उन्हें माफ करने को लेकर भी रिएक्शन दिया।

जब सुनीता से पूछा गया कि क्या उनकी माफी की लिस्ट में गोविंदा का नाम है, तो उन्होंने जवाब दिया, कुछ कहा नहीं जा सकता। वह मेरे बचपन का प्यार हैं। अगर वह बदल जाते हैं और मेरे नियमों के मुताबिक जीवन जीते हैं तो मैं उन्हें माफ कर दूंगी।

उन्होंने यह भी कहा कि वह खबरों में आने वाली हर बात पर ध्यान नहीं देना चाहतीं। यह वह उम्र नहीं है जब मैं इतना तनाव झेल सकूं। मैं मेनोपॉज से गुजर रही हूं। इस समय पति और बच्चों के सपोर्ट की जरूरत होती है, दबाव की नहीं।

सुनीता ने आगे कहा कि गोविंदा अपनी मां से डरते थे, लेकिन उनके निधन के बाद वह ज्यादा बेफिक्र हो गए। अब वह किसी से नहीं डरते और जो चाहते हैं वही करते हैं। उनकी संगत भी अच्छी नहीं है।

उन्होंने यह भी बताया कि कई लोगों ने उनकी मासूमियत का फायदा उठाया। मैंने बहुत कुछ सहा है, लेकिन अब और नहीं। मैंने अपनी अलग पहचान बना ली है।

9 कुंडीय गायत्री व दीप महायज्ञ का आयोजन

दिवा। लोक कल्याण हेतु हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिवा में 9 कुंडीय गायत्री व दीप महायज्ञ का आयोजन 20 फरवरी से 22 फरवरी तक किया जा रहा है। इस धार्मिक अनुष्ठान में 3 दिनों तक अलग-अलग धार्मिक कार्यक्रम किए जाएंगे। ऐसी जानकारी अखिल विश्व गायत्री परिवार दिवा के सदस्य उमेश चन्द्र मौर्य ने दी है। मौर्या के मुताबिक दिवा पूर्व के साबे गांव स्थित श्रीमती यशोदा बालाराम पाटील नगर, डी.जे. 1 हरिश्चन्द्र आपार्टमेंट के सामने किया गया है। शांतिकुंज हरिद्वार के मार्ग दर्शन में राष्ट्र को समर्थ एवं सशक्त व नशामुक्त व संस्कारवान समाज के निर्माण हेतु अध्यत्मिक अनुष्ठान किया जा रहा है। शुक्रवार को

भव्य कलश यात्रा, एवं संगीत आरती दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक। कलश यात्रा स्थल स्वामी समर्थ नागनाथ मंदिर में कलश यात्रा का आयोजन किया गया है। शनिवार को देवपूजन, यज्ञ एवं विविध संस्कार सुबह 8 बजे से 12 बजे तक। संगीत प्रवचन एवं आरती शाम 5 से रात्री 8 बजे तक। रविवार को

यज्ञ एवं विविध संस्कार और महायज्ञ की पूर्णाहूति सुबह 8 बजे से 12 बजे होगा। इसके बाद संगीत प्रवचन, दीप महायज्ञ एवं महाआरती के बाद शाम 5 से रात्री 8 बजे प्रसाद वितरण किया जाएगा। इस धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने के लिए उमेश मौर्या, आनन्द राज, प्रताप जायसवाल, सुशांत पेडणेकर, सौरभ श्रीवास्तव, प्रमोद शर्मा, कैलाश शर्मा, राधेश्याम शर्मा, कृष्णा शाह, शिवम, शिवा, सुदाम, विश्वनाथ शाहू, सुरज, जीतनारायण यादव, रामसजीवन गुप्ता,अनिल रही, रवि शाहू आदि लोग परिश्रम कर रहे हैं। इस महायज्ञ में गुरूदीक्षा संस्कार, नामकरण, अन्नप्राशन, विद्या-आरंभ, यज्ञोपवीत आदि संस्कार निःशुल्क संपन्न कराये जायेंगे।

आम सूचना

मैं श्रीमती विद्या उल्हास चिंताकुंती सभी को सूचित कर रही हूं कि हाऊस, बैरक नं. 1413 के पास, चारंगबाबा नगर, सेक्शन 32, उल्हासनगर-4. (टैक्स नं. 41सीआय009461700) उक्त प्रॉपर्टी श्री नानदीप उल्हास चिंताकुंती के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 18.2.2026 सी.नं. 213 मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती विद्या उल्हास चिंताकुंती

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099